CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-333
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

उठो, जागो और तब तक मत रुको
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 09 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

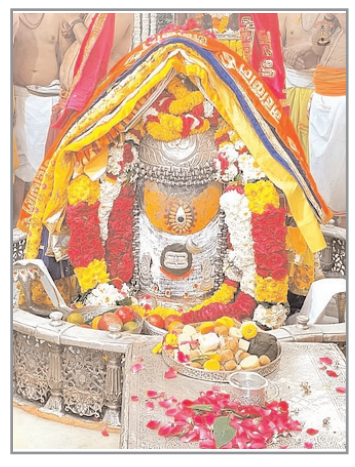

अब जनता के हाथ होगा सरकार का बजट, QR कोड स्कैन करते ही मिलेगी जानकारी

बजट सत्र 10 मार्च से, 12 मार्च को पेश होगा वित्त वर्ष 2025-26 का ऐतिहासिक बजट

चार लाख करोड़ से अधिक का बजट, सिंहस्थ महाकुंभ और विकास योजनाओं पर रहेगा फोकस

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 10 मार्च से शुरू हो रहा है। डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा 2025-26 का बजट 12 मार्च को विधानसभा में पेश करेंगे। इस बजट को आम जनता भी पढ़ सकेगी। वित्त विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सरकार के बजट को पढ़ने के लिए एक क्यूआर कोड स्कैन करना होगा, इसके बाद आपके मोबाइल पर विधानसभा में पेश किया गया बजट खुल जाएगा। लोगों को सरकार के सभी विभागों की वेबसाइट पर यह क्यूआरकोड उपलब्ध कराया जाएगा, जो बजट भाषण खत्म होने के बाद उपलब्ध होगा। प्रदेश की जनता को पहली बार क्यूआर कोड से बजट की कॉपी पढ़ने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे लोग सरकार की इनकम, खर्च और विभागों को मिलने वाले फंड के बारे में आसानी से जानकारी हासिल कर सकेंगे।

चार लाख करोड़ से अधिक का होगा बजट 10 मार्च से शुरू हो रहे विधानसभा के बजट सत्र के दो दिन बाद 12 मार्च को मोहन यादव सरकार वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट विधानसभा में पेश करेगी। डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की ओर से यह बजट पेश किया जाएगा। इस बार का बजट चार लाख करोड़ से अधिक का होने का अनुमान है। बजट सत्र में सरकार उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के लिए विशेष प्रावधान कर सकती है। इसके अलावा भी कई अन्य बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं।

विधानसभा में कब क्या होगा?

10 मार्च से विधानसभा का सत्र की शुरुआत पहले दिन राज्यपाल मंगूभाई पटेल का अभिभाषण

11 मार्च को राज्य सरकार आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश करेगी

12 मार्च को वित्त मंत्री और डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा बजट पेश करेंगे।

15 दिवसीय विधानसभा सत्र में 9 बैठकें होंगी

05 पांच विधेयक इस सत्र में किए जा सकते हैं पेश सीएम यादव ने की समीक्षा बैठक बजट सत्र की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में बैठक कर समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रश्नों और ध्यानाकर्षण आदि के जवाब तथ्यात्मक व तर्कपूर्ण ढंग से दिए जाएं। उन्होंने लंबित शून्यकाल, अपूर्ण उत्तर, आश्वासन और लोक लेखा समिति की सिफारिशों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ऑनलाइन प्रश्न पूछने पर विधायकों की रुचि विधानसभा के बजट सत्र के लिए विधानसभा सचिवालय को 2939 प्रश्न मिले हैं। इसमें 1785 सवाल ऑनलाइन हैं और 1154 सवाल ऑफलाइन हैं। इसमें 1448 तारांकित और 1491 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं।

सीएम ने जारी की 22वीं किश्त

एमपी में 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को मिले 1552.73 करोड़

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार से एमपी की लाड़ली बहनों के खातों में मार्च महीने की किस्त जारी कर दी है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित लाड़ली बहनों के राशि अंतरण कार्यक्रम में लाड़ली बहनों की राशि के साथ ही 26 लाख बहनों को सिलेंडर रीफिलिंग हेतु ?55.95 करोड़ ट्रांसफर किए गए और स्व-सहायता समूह सम्मेलन एवं राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम भी हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारंभ एवं विभिन्न स्टाल्स का अवलोकन भी किया। इस दौरान भोपाल में संचालित होने वाले चलित जैविक हाट बाजार के तीन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया गया। वहीं मुख्यमंत्री ने महिला दिवस पर महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। नारी शक्ति ही सृजन और समृद्धि की आधारशिला है। मध्यप्रदेश की सभी माताओं, बहनों और बेटियों के जीवन को खुशहाल बनाना मेरे जीवन का ध्येय है। आपके सशक्त, आत्मनिर्भर और गरिमापूर्ण भविष्य के लिए सतत प्रयास के लिए संकल्पित हूं।

इन पुरस्कारों का वितरण सीएम डॉ. मोहन यादव महिला एवं बाल विकास विभाग के जिन पुरस्कारों का वितरण किया। वे राष्ट्र माता पद्मावती पुरस्कार (2023), राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार (2023-24), रानी अवंती बाई वीरता पुरस्कार (2024) और विष्णु कुमार महिला एवं बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान पुरस्कार (2024) है।

वन्यजीव पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

मध्यप्रदेश को तीन महीने में मिला दूसरा टाइगर रिजर्व

भोपाल। मध्य प्रदेश को तीन माह में दूसरा टाइगर रिजर्व मिला है। शिवपुरी जिले में स्थित माधव नेशनल पार्क प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व बना है। इसको लेकर प्रदेश सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वन्य जीव पर्यटन के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम उठाने वाला राज्य है। प्रदेश का चम्बल अंचल और निकटवर्ती क्षेत्र पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान बनाएगा। इस अंचल में जहां एशिया का प्रथम चीता प्रोजेक्ट लागू कर चीतों के पुनर्वास का महत्वपूर्ण कार्य हुआ है और अब चीतों की दूसरी पीढ़ी ने भी जन्म ले लिया है। घड़ियाल प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन और अब माधव नेशनल पार्क प्रदेश के 9वें टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित होने से यह क्षेत्र पर्यटकों के और अधिक आकर्षण का केन्द्र बनेगा। दो बाघ और छोड़ जाएंगे नेशनल पार्क में मुख्यमंत्री ने कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर परिसर में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि माधव टाइगर रिजर्व के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। वर्ष 1956 में स्थापित माधव नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व घोषित होने से प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व होगा, जो प्रदेश के वाइल्ड लाइफ टूरिज्म को बढ़ावा देगा। दो वर्ष पूर्व माधव राष्ट्रीय उद्यान में दो मादा और एक नर बाघ छोड़े गए थे। मादा बाघ ने दो शावकों को जन्म दिया है अब 2 बाघ और भी छोड़े जाएंगे, जिससे यहां 7 बाघ हो जाएंगे और प्राकृतिक ब्रीडिंग से बाघों की संख्या में वृद्धि होगी।

आईआईटी मद्रास की बड़ी उपलब्धि

अब मिसाइल हमलों से भी सुरक्षित रहेंगे भवन

बैलिस्टिक रोधी कांक्रीट पैनल बनाया

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा संरचनात्मक ढांचा विकसित किया है जो बैलिस्टिक मिसाइलों के आघात को सहन करने में सक्षम होगा। आमतौर पर बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले से बुनियादी ढांचे को भारी क्षति होती है। यह नया ढांचा मजबूत कांक्रीट (आरसी) पैनलों की बैलिस्टिक प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक प्रभावी समाधान प्रदान करेगा।

आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अलगप्पन पोन्नालागु और रिसर्च स्कॉलर रूफ उन नबी डार ने इस अध्ययन में पेनेट्रेशन और क्रेटर डैमेज एरिया के आधार पर नए डिजाइन पैरामीटर्स का विकास किया। इसके अलावा आरसी पैनलों में क्रेटर के व्यास का अनुमान लगाने के लिए एक संभावित मॉडल भी प्रस्तुत किया। इस तकनीक से निर्मित भवन या आधारभूत ढांचे मिसाइल हमले को झेलने में सक्षम होंगे। इस अध्ययन को रिलायबिलिटी इंजीनियरिंग एंड सिस्टम सेफ्टी जर्नल में प्रकाशित किया गया है। डॉ. पोन्नालागु के अनुसार वर्तमान समय में जब सुरक्षा चुनौतियां बढ़ रही हैं, कंक्रीट संरचनाओं के लिए बैलिस्टिक डिजाइनिंग अत्यंत आवश्यक हो गई है।

बैलिस्टिक प्रतिरोधी मॉड्यूलर पैनल विकसित करना लक्ष्य शोधकर्ताओं का कहना है कि इस अध्ययन से न केवल बैलिस्टिक डिजाइनिंग को एक स्पष्ट ढांचा मिलेगा बल्कि आरसी पैनलों की बैलिस्टिक प्रतिक्रिया को समझने में भी सहायता मिलेगी। आगे के शोध में वैज्ञानिकों का लक्ष्य हल्के, किफायती और टिकाऊ विस्फोट रोधी तथा बैलिस्टिक प्रतिरोधी मॉड्यूलर पैनल विकसित करना है। शोधकर्ताओं ने कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन के माध्यम से मजबूत कंक्रीट पर मिसाइलों के प्रभाव का विश्लेषण किया। मजबूत कंक्रीट का उपयोग मुख्य रूप से सैन्य बंकरों, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों, पुलों और हवाई पट्टियों जैसी महत्वपूर्ण संरचनाओं के निर्माण में किया जाता है। इनका रणनीतिक महत्व होने के कारण इन्हें पूरी तरह से नष्ट होने से बचाना आवश्यक है।

डब्ल्यूएचओ की पूर्व मुख्य सांइटिस्ट का दावा

भारत में गर्मी से होने वाली मौतों की संख्या वास्तविकता से कम

नई दिल्ली।भारत में पुख्ता आंकड़ों की कमी के कारण गर्मी से होने वाली कम मौतें दर्ज हो रही हैं। हालांकि, अब सरकार गर्मी के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का अध्ययन करने के तरीकों में सुधार पर जोर दे रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक और स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाहकार सौम्या स्वामीनाथन ने यह दावा किया है।

टीईआरआई की विश्व सतत विकास सम्मेलन से इतर पीटीआई से बाचतीत में सौम्या ने गर्मियों से पहले उसके दुष्प्रभावों की ट्रैकिंग की व्यवस्था में सुधार की बात कही। उन्होंने समय रहते तैयारी और नीतिगत हस्तक्षेप में तत्काल सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। यह पूछे जानें पर कि क्या भारत में गर्मी से होने वाले मौतों की गिनती कम हो रही है, अखिल भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (आईसीएमआर) की पूर्व महानिदेशक ने कहा, ऐसा होने की आशंका बहुत ज्यादा है। हमारे पास असल में मौतों के पुख्ता आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए हमें अनुमानों पर निर्भर रहना पड़ता है। गर्मी का स्वास्थ्य व्यवस्था पर क्या दुष्प्रभाव पड़ रहा है, इसे जानने के लिए हमें थोड़ी गणना करनी होगी मॉडल तैयार करने होंगे। सौम्या ने आगे कहा, हाल में कुछ शोध सामने आए हैं, जिनमें मौतों की संख्या अधिक है। सौम्या के अनुसार, जब आप पूरे वर्ष को देखेंगे तो पाएंगे कि हर महीने मौतों की संख्या सामान्य रूप से एक समान होगी। लेकिन फिर अगर आप अचानक वृद्धि देखते हैं, जैसा कि कोविड के दौरान हमने वृद्धि देखी थी।

पिछले साल लू ने ढहाया था कहर

उन्होंने बताया, इस प्रकार आप हर महीने अपनी मृत्यु दर को स्थिर रखते हुए आगे बढ़ रहे हैं और फिर अचानक मई-जून में इसमें वृद्धि देखते हैं। तब आप यह अनुमान लगा सकते हैं कि अतिरिक्त मौतें संभवत: गर्मी के कारण हुईं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पिछले वर्ष गर्मियों में भारत में भीषण गर्मी पड़ी थी, तथा 56 दिन तक लू चली थी, जो 14 वर्षों में सबसे अधिक थी।

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल का महामुकाबला...भारत और न्यूजीलैंड फिर आमने-सामने

किवी के चक्रव्यूह को तोड़ने मैदान में दम दिखाएगी टीम इंडिया

भारत और न्यूजीलैंड 25 साल बाद फिर खिताबी मैच में होंगे आमने-सामने

12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीतने उतरेगा भारत

मुंबई। चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक अजेय चल रही भारतीय टीम रविवार को खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड का सामना करने उतरेगी। भारत ने पिछले साल टी20 विश्व कप का खिताब जीता था और अब उसकी नजरें लगातार दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट जीतने पर टिकी होंगी। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आईसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

न्यूजीलैंड से 25 साल पुराना बदला लेने उतरेगा भारत

दिलचस्प बात यह है कि आईसीसी के सीमित ओवर के प्रारूप में आखिरी बार दोनों टीमें फाइनल में 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) में खेली थीं। उस समय न्यूजीलैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था। उस मैच में सौरव गांगुली की अगुआई वाली भारतीय टीम ने गांगुली के 117 रन और सचिन तेंदुलकर के 69 रनों की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट पर 264 रन बनाए थे। जवाब में स्टीफन फ्लेमिंग की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड टीम ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया था। कीवी टीम के लिए क्रिस कार्न्स ने 113 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए थे और भारत के मुंह से जीत छीन ली थी।

आठ दिन के भीतर दूसरी बार होगा सामना

भारत और न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप ए में शामिल थीं। भारत ने ग्रुप चरण के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को हराया था और अब आठ दिन के अंतर में दोनों टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें दो बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में भिड़ी हैं। आखिरी बार दोनों टीमों के बीच 2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला गया था। बारिश के कारण छह दिनों तक चले इस खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम भारत पर भारी पड़ी थी और कीवियों ने भारतीय टीम को आठ विकेट से हराया था।

न्यूजीलैंड को लंबे समय से आईसीसी खिताब का इंतजार

न्यूजीलैंड की टीम 2015 और 2019 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची, लेकिन दोनों ही बार उसे हार का सामना करना पड़ा। अब उसका सामना एक और फाइनल में रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम से होगा जो टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए खिताबी मुकाबले में पहुंची है।

आईसीसी टूर्नामेंट में कैसा है दोनों टीमों का रिकॉर्ड भारत के लिए न्यूजीलैंड हमेशा कठिन चुनौती साबित हुआ है और आईसीसी टूर्नामेंटों में न्यूजीलैंड का उसके खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 10-6 का है। न्यूजीलैंड ने आईसीसी नॉकआउट चरण में भारत के खिलाफ चार में से तीन मुकाबले जीते हैं। अगर फाइनल उसी पिच पर खेला जाता है जहां भारत और पाकिस्तान का मैच हुआ था तो चार स्पिनर गेंदबाज फिरकी के जाल में कीवी टीम को बुरी तरह फांस सकते हैं।

फाइनल से पहले कीवी क्रिकेटर ने खेला दांव चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में कुछ ही वक्त बाकी रह गया है। इससे पहले न्यूजीलैंड के ओपनर विल यंग का बड़ा बयान सामने आया है। यंग ने कहा कि ग्रुप स्टेज पर भारत से हार से बहुत फर्क नहीं पड़ने वाला। उन्होंने कहा कि हमारी टीम रविवार को चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में रोहित शर्मा की टीम की कमजोरियों का फायदा उठाएगी। इस मौके पर विल यंग ने साल 2000 में खेली गई चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड को मिली जीत का खास जिक्र किया। यंग ने डेवोन कॉन्वे और रचिन रविंद्र के साथ टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड को अच्छी शुरुआत दी है। उन्होंने आईसीसी से कहा कि हम ग्रुप चरण की हार से काफी कुछ सीखे हैं। खासकर एक बल्लेबाज के तौर पर मैंने, लेकिन गेंदबाजों ने भी भारतीय बल्लेबाजों को और उनके खेलने के तरीके को देखा। उन्होंने कहा कि उनके खेलने की शैली को देखा और इन हालात में वह किस तरह खेलेंगे, इसे भी समझा।

चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मैच से जुड़ी जानकारी भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला 09 मार्च यानी रविवार को खेला जाएगा।

-भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला दुबई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाएगा।

-भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर 2:00 बजे होगा।

किसी को विवाह कराने, किसी को शेयर में मुनाफे के नाम पर ठगा

सिटी चीफ इंदौर।

देवास। देवास में एडवाइजरी और अलग-अलग तरह के काल सेंटर खोलकर धोखाधड़ी के बड़े रैकेट का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पिछले दिनों जिन 13 काल सेंटरों पर एक साथ छापामार कार्रवाई की थी, उनमें से चार कॉल सेंटर से जुड़े आठ आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। 60 मोबाइल फोन और बड़ी संख्या में कंप्यूटर सहित कई गैजेट्स भी पुलिस ने जब्त किए हैं। आरोपितों ने किसी को विवाह करवाने के नाम पर, तो किसी को घुटने का दर्द ठीक करवाने के नाम पर ठगा। कई लोगों को शेयर बाजार में बड़ा मुनाफा कमाने का लालच देकर लाखों रुपयों की चपत लगाई गई है। पुलिस अन्य सेंटरों की भी जांच कर रही है।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के निर्देश पर पिछले दिनों एएसपी जयवीरसिंह भदौरिया और सीएसपी दीशेष अग्रवाल सहित पांच थाना प्रभारियों के नेतृत्व में 13 टीमों ने अलग-अलग जगह दबिश दी थी।

इन केंद्रों पर बड़ी संख्या में मौजूद रहे युवक-युवतियों से भी पुलिस ने लगातार पूछताछ की।

इन केंद्रों से मिले गैजेट्स और दस्तावेजों की जांच के बाद शहर के अलग-अलग थानों में 4 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

एसपी पुनीत गेहलोद ने गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि थाना सिविल लाइन अंतर्गत छाबड़ा काम्पलेक्स के पीछे एक स्काय ब्रोकिंग ऑफिस में कुछ लोग फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार कर प्राप्त की गई सिमों से लोगों को फोन लगाकर अवैध तरीके से शेयर मार्केट में ट्रेडिंग करने की टिप देकर लोगों को प्रलोभन मे लाकर अवैध तरीके से लाभ अर्जित कर रहे थे।

इस मामले में पुलिस ने आरोपित तिलकराज चौहान निवासी कनासिया जिला उज्जैन हाल मुकाम विजयनगर इंदौर और अंकित शर्मा निवासी शिवपुरी देवास के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया। यहां से पुलिस ने 13 कम्प्यूटर, 13 सीपीयू और 6 कीपेड मोबाइल जब्त किए। इसी प्रकार औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने चाइस इंवेस्टमेंट फर्म की जांच की। इस फर्म की शिकायत एक व्यक्ति ने की, जिसने बताया कि उसे ढाई लाख फीस देने के बदले आठ लाख रुपये का लाभ कमाने का वादा किया गया। यह भी कहा गया कि यह रुपये वहां जमा कराने होते हैं, जहां से कंफर्म टिप्स मिलती है। फरियादी ने 2 लाख 27 हजार रुपये का निवेश किया। इस मामले में पुलिस ने आरोपित अंकित योगी निवासी इंदौर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने मेरिज ब्यूरो के नाम पर ठगी का काल सेंटर चलाने वाली देवास निवासी महिला को पकड़ा है। विवाह गाइड नाम के काल सेंटर पर वर वधु जोड़ी, मेट्रिमोनियल सर्विस प्रोवाइडर, जोड़ी सर्विस प्रोवाइडर नाम की फर्मों के दस्तावेज मिले हैं। पुलिस को शंका है कि यहां से लोगों को विवाह के लिए उपयुक्त वर-वधु चयन करवाने के नाम पर लोगों से ठगी की गई है। करीब दो दर्जन की पेड मोबाइल जब्त हुए, जिनकी काल लाग में मिले नंबरों पर बात करने के दौरान लोगों ने पुलिस को लाखों रुपये की ठगी होने की बात बताई।

सेबी को देंगे जानकारी

एडवायजरी से संबंधित काल सेंटरों पर कई अनियमितताएं पुलिस को मिली हैं। इन सबके संबंध में पुलिस सेबी को जानकारी देगी।

एसपी ने बताया कि पुलिस की कार्रवाई के बाद स्थानीय जनता ने अन्य काल सेंटरों की जानकारी भी पुलिस को दी है, जिनकी पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस ने लगातार 72 घंटे तक पूछताछ कर आरोपितों के काम करने का तरीका और अन्य संबंधित जानकारियां खंगाली।

आरोपितों के पास से मिली कई सिम कार्ड फर्जी दस्तावेजों से लेने की आशंका है, क्योंकि जिनके नाम सिम रजिस्टर्ड है, उन्हें इस बारे में पता नहीं है। अब पुलिस ऐसे लोगों को सिम देने वालों की तलाश भी करेगी।

ऐसे करते हैं ठगी

आरोपित कम वेतन पर कई युवक-युवतियों को नौकरी पर रखकर कॉल करवाते हैं।

देश के कई मोबाइल नंबर का डेटा टेलिग्राम के जरिए खरीदते हैं।

अलग-अलग प्रदेशों में लोगों को काल किया जाता है।

कुछ ही दिनों में अप्रत्याशित लाभ का देते हैं लालच।

निवेशक से रजिस्ट्रेशन के नाम पर फीस लेकर वाट्सएप ग्रुप में जोड़ते हैं।

प्रीमियम मेंबरशिप के नाम पर अतिरिक्त रुपये लिए जाते हैं।

बड़ी धनराशि मिलने के बाद निवेशक का फोन नहीं उठाते और नंबर भी ब्लॉक करते हैं।

वरिष्ठ नागरिकों को फोन कर जोड़ों के दर्द की दवा के नाम पर ठगी की जाती है। विवाह संबंध करवाने के लिए फोटो दिखाकर ठगी की जाती है।

अध्यात्म और सैर-सपाटा के नजरिए से बेहतर है इंदौर के करीब भगवान दत्त का दरबार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर शहर के आसपास ऐसे कई स्थान हैं जहां कम वक्त में जाकर भी आया जा सकता है और आप चाहें तो ज्यादा देर भी बिता सकते हैं। जहां परिवार और दोस्तों के साथ भी वक्त गुजारा जा सकता है और अकेले भी सैर-सपाटा किया जा सकता है।

इस वीकेंड पर यदि आप कहीं जाने की योजना बना रहे हैं तो एक नजर देवास की ओर घुमाई जा सकती है। आप चाहें तो देवास की टेकरी तक भी जा सकते हैं जहां तुलजा भवानी और चामुंडा माता के दर्शन करने के साथ देवास के नजारों का भी आनंद ले सकते हैं।यहां बात केवल देवास की टेकरी की नहीं हो रही बल्कि देवास के समीप स्थित एक और आध्यात्मिक स्थल की हो रही है जो बांगर गांव में है और इस स्थान का नाम है श्री दत्त पादुका मंदिर।

सैकड़ों वर्ष पुराना है मंदिर

श्री दत्त पादुका मंदिर जाने के सबसे सहज और सुगम मार्ग की बात करें तो यह देवास के शहरी भाग में से होकर जाता है। देवास से जब आप उज्जैन की ओर बढ़ते हैं तो 12-15 किमी दूर बांगर गांव आता है।

देवास से उज्जैन की ओर जाने पर बांगर गांव में मुख्य मार्ग से करीब 100 मीटर अंदर ही यह मंदिर बना हुआ है। भगवान दत्तात्रेय को समर्पित मंदिर कब बना इसका पुख्ता प्रमाण नहीं पर ग्रामीणों की मानें तो मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना है।

इसलिए है इसका और भी महत्व

वर्षों से मंदिर में दर्शन करने आ रहे राजेश बिडवलकर और मदन शुक्ला बताते हैं कि इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि जिस स्थान पर भगवान दत्तात्रेय की मूर्ति स्थापित है वह देवास के चामुंडा माता मंदिर और उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के मध्य में है।

किवदंती है कि महाराष्ट्र के किसी संत को स्वप्न में भागवन दत्तात्रेय ने दर्शन देकर यह कहा कि उनका मंदिर इन दो शक्ति केंद्रों के मध्य बनाया जाए और तब यहां मूर्ति स्थापित की गई। यहां दत्त जयंती पर भव्य आयोजन भी होता है।

अब और भी हो गई हैं सुविधाएं

पर्यटकों की मानें तो बीते दो दशक में यहां का स्वरूप तेजी से बदला है। पहले यहां छोटा सा ही मंदिर था, लेकिन अब यह विशाल मंदिर में तब्दील हो चुका है। यहां सभा मंडप भी बन चुका है, जहां बैठकर भक्त भजन आदि कर सकते हैं। यही नहीं यहां भक्तों की सुविधा के लिए पेयजल, सुविधागृह और भोजनशाला भी बन चुकी है। हालांकि भोजनशाला का लाभ आप पूर्व सूचना के आधार पर ही ले सकते हैं।

खूबसूरत नजारे और यात्रा का मजा

यह स्थान केवल धार्मिक दृष्टिकोण से तो खास है ही साथ ही पर्यटन की नजर से भी उम्दा है। साइकिलिस्ट की तो यह पसंदीदा जगह है खास तौर पर जो इंदौर से देवास तक साइकिलिंग करते हैं। मार्ग सुगम होने के कारण किसी भी वाहन से जाया जा सकता है।

यदि आप लोकपरिवहन से जाना चाहते हैं तो देवास से उज्जैन जाने वाली बस से भी जा सकते हैं। मंदिर के आसपास खेत होने से यहां का नजारा और भी सुंदर दिखाई देता है। प्राकृतिक परिवेश में वक्त बिताकर यहां सुकून का अनुभव किया जा सकता है।

पीथमपुर में शनिवार रात 8 बजे तक 57 घंटे में जलाया यूनियन कार्बाइड का 10 टन जहरीला कचरा

सिटी चीफ इंदौर।

यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाए जाने के ट्रायल रन का दूसरा चरण शनिवार को रात आठ बजे संपन्न हुआ। पीथमपुर के री-सस्टेनेबिलिटी (पूर्व में रामकी) कंपनी में दूसरे चरण में कचरा जलाने की प्रक्रिया छह मार्च को सुबह 11.06 बजे शुरू हुई थी। इसमें 180 किलो प्रति घंटे की दर से कचरा जलाया गया। 10 टन कचरे का निष्पादन करने में 57 घंटे लगे। यह प्रक्रिया 55 घंटे में पूरी होना थी परंतु इसमें देर हुई। आखिरी खेप शनिवार शाम 7.05 बजे डाली गई और इसे करीब एक घंटे तक जलाया गया।

प्रदूषण विभाग के अनुसार आठ मार्च को दोपहर 12:46 बजे इंटरनेट बंद हो जाने से ऑनलाइन सर्वर पर डाटा फीड होना बंद हो गया था।

इससे दोपहर एक बजे से करीब बीस मिनट के लिए भस्मक में कचरा डालना रोका दिया गया था।

भस्मक के तापमान को बनाए रखने और आखिरी खेप को करीब एक घंटा जलाने से दो घंटे अतिरिक्त लगे।

तीसरा चरण 10 मार्च से, 37 घंटे में जलाएंगे 10 टन मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के निर्देशानुसार 10 मार्च से कचरा जलाने के ट्रायल रन का तीसरा चरण शुरू किया जाएगा।

इसमें भी 10 टन कचरे को जलाया जाएगा, परंतु मशीन में कचरा पहले से अधिक 270 किलो प्रति घंटे की दर से डाला जाएगा।

इसके बाद तीनों ट्रायल रन की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर कोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी।

कचरा जलाने के साथ ही चिमनी से निकलने वाले धुएं व कण की निगरानी व मॉनिटरिंग मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 20 अधिकारी-कर्मचारी कर रहे हैं।

आधी रात हत्यारे पोते की जलती चिता में कूदकर दादा ने दी जान, पत्नी को कुल्हाड़ी से काट खुद फांसी लगा ली थी

सिटी चीफ इंदौर।

मध्य प्रदेश के सीधी जिले के बहरी थाना क्षेत्र के ग्राम सिहोलिया में शुक्रवार देर रात पोते अभय राज यादव (34 वर्ष) की जलती चिता में कूदकर दादा रामअवतार यादव (65 वर्ष) ने भी जान दे दी। शनिवार सुबह दस बजे के करीब ग्रामीण जब चिता के पास से गुजरे तो मौके से एक अधजला शव मिला। सूचना पर स्वजन व ग्रामीण पहुंचे तो शव की पहचान रामअवतार के रूप में की गई। पुलिस ने मौके पर जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

थाना प्रभारी एसएल वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को अभय ने अपनी पत्नी सविता यादव (30 वर्ष) की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद फांसी लगाकर जान दे दी थी।

पोस्टमार्टम के बाद दोनों का अंतिम संस्कार शुक्रवार रात करीब नौ बजे गांव में ही किया गया। इस घटना से अभय के दादा सदमे में थे।

ऐसे में वह पोते और बहू की जलती चिता

में कूद गए, जिससे उनकी मौत हो गई। अंतिम संस्कार में नहीं गए, रात में पहुंचे और चिता में कूद गए।

स्वजन अवधेश के अनुसार दादा रामअवतार, अभय को बहुत चाहते थे। वह उन्हीं के साथ रहते थे। ग्रामीणों ने चिता के पास एक अधजला शव देखा और सूचना दी।

अब परिवार में अभय का बेटा शिवम यादव (छह वर्ष) और शुची (तीन वर्ष) बचे हैं। ग्रामीणों के अनुसार अभय नशे का आदी था और यही झगड़े का कारण था। वह मुंबई में रहकर पुताई करता था।

इंदौर सराफा बाजारः सोने-चांदी में आंशिक गिरावट, वैवाहिक ग्राहकी थमी

सिटी चीफ इंदौर।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में थोड़े उतार-चढ़ाव के लग्नसरा वालों की ग्राहकी थमने से शनिवार को सोने और चांदी की कीमतों में आंशिक गिरावट देखने को मिली है। सोना केडबरी आंशिक घटकर 87700 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी चौरसा भी आंशिक घटकर 97450 रुपये प्रति किलो रह गया। अब इस महीने शादियों के कोई मुहूर्त नहीं है और साथ ही रंगों का त्योहार होली भी करीब है। इसलिए सोने के बढ़ते दामों में रुकावट आई है। व्यापारियों का कहना है कि हमेशा यह देखा जाता है की शादी के मुहूर्त के समय सोने के दाम में बढ़ोतरी होती है साथ ही मुहूर्त के खत्म होने के समय इसके गिरावट देखने को मिलती है।

अब अगला मुहूर्त अप्रैल की 16 तारीख को है तब तक संभावना जताई जा रही है की सोने-चांदी के भाव में स्थिरता बनी रहे।

फेड अध्यक्ष पावेल ने बयान दिया है की राष्ट्रपति ट्रंप का रुख स्पष्ट होने के बाद ही ब्याज दर में परिवर्तन पर विचार किया जाएगा।

उन्होंने कहा हम लोग अभी अल्पविराम की स्थिति में हैं और कोई जल्दबाजी भी नही चाहते है।

उन्होंने साथ ही साथ स्पष्ट किया कि ट्रंप की टैरिफ

पालिसी से महंगाई बढ़ेगी और ब्याज दर कटौती पर विराम लगेगा।

कॉमेक्स पर सोना वायदा 2910 डालर प्रति औंस और चांदी 32.46 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता देखी गई।

इंदौर के बंद भाव

सोना केडबरी रवा नकद में 87700 सोना (आरटीजीएस) 87800 सोना (91.60) 80000 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। शुक्रवार को सोना 87750 रुपये पर बंद हुआ था।

चांदी चौरसा नकद 97450 चांदी आरटीजीएस 97600 चांदी टंच 97600 रुपये प्रति किलो और चांदी सिक्का 1075 रु. प्रति नग बिका। बुधवार को चांदी चौरसा नकद 97500 रुपये पर बंद हुई थी।

मेरे जैसा इंसान किसी को नहीं चाहिए...

इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर कॉलेज की तीसरी मंजिल से कूद गया छात्र

सिटी चीफ इंदौर।

वैष्णव इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट कॉलेज में बीएससी के छात्र मयूर राजपूत ने तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके पूर्व मयूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सुसाइड नोट लिखा है। उसने लिखा कि वह अच्छा इंसान नहीं बन पाया, न अच्छा बेटा बन सका।

द्वारकापुरी पुलिस ने मर्ग कायम किया है। एसीपी शिवेंदु जोशी के मुताबिक घटना गुमाश्ता नगर की है। प्रजापत नगर निवासी 21 वर्षीय मयूर राजपूत ने आत्महत्या की है। दोपहर करीब तीन बजे मयूर कालेज की तीसरी मंजिल से कूद गया। छात्रों ने शव देखकर कालेज प्रबंधन और पुलिस को खबर की।

खुदकुशी से पहले इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाई, दोस्त बचाने के लिए दौड़ा, लेकिन वो कूद गया

दोस्त बचाने दौड़ा, पर वह कूद गया

घटना का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। जिसमें मयूर कॉलेज की तीसरी मंजिल पर खड़ा है और वहां से कूदते हुए दिख रहा है। इस दौरान वहां मौजूद उसका दोस्त बचाने भी दौड़ा। दोनों के बीच चंद सेकंड का फासला होने के बाद भी मयूर कूद गया।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर सुसाइड नोट

एसीपी के मुताबिक मयूर ने आत्महत्या के पूर्व इंस्टाग्राम पर सुसाइड नोट के रूप में स्टोरी लिखी है।

उसने लिखा कि मैं न अच्छा बेटा बन सका, न अच्छा इंसान बन सका। इसलिए मैं यह कदम उठा रहा हूं। टीआई राहुल राजपूत के मुताबिक शनिवार को कॉलेज में कार्यक्रम भी चल रहा था।

कॉलेज प्रबंधन घटना से हैरान

मयूर कार्यक्रम में शामिल भी हुआ था। इसके बाद इमारत पर चढ़ा और कूद गया। पुलिस ने साथी छात्रों से भी बात की है। उन्होंने आत्महत्या के कारणों के बारे में पता होने से इन्कार किया है। कॉलेज प्रबंधन और स्वजन भी घटना से हैरान हैं। युवक ने सुसाइड नोट में लिखा है कि मैं इसलिए ऐसा कर रहा हूं कि मेरे जैसा इंसान किसी को नहीं चाहिए। अब लगता है कि मेरे जैसा इंसान किसी का नहीं हो सकता।

सरकार ने दी सफाई, विकास परियोजनाओं और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए लिया जा रहा है कर्ज

एमपी के प्रत्येक व्यक्ति पर 43 हजार रुपये का कर्ज, सात साल में तीन गुना से अधिक बढ़ा

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार पर कुल कर्ज अब लगभग 4.22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, और राज्य के प्रत्येक व्यक्ति पर औसतन करीब 43 हजार रुपये का कर्ज है। यह कर्ज पिछले सात वर्षों में तीन गुना बढ़ा है। हालांकि, अब यह देखना होगा कि सरकार अगले वर्षों में कर्ज के बोझ को कैसे नियंत्रित करती है और विकास की गति को बनाए रखते हुए वित्तीय प्रबंधन में सुधार करने के लिए कौन से कदम उठाती है।

एमपी बजट 2025-26 में राज्य का बढ़ता कर्ज योजनाओं और विकास कार्यों के लिए एक वित्तीय संकट उत्पन्न कर सकता है। हालांकि, सरकार का कहना है कि यह कर्ज विकास परियोजनाओं और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए लिया जा रहा है। मार्च 2024 में राज्य पर कुल कर्ज 3.75 लाख करोड़ था, जो फरवरी 2025 तक बढ़कर 4.22 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। इस समय मध्यप्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति पर अनुमानित कर्ज करीब 43 हजार रुपये हो गया है। मार्च 2016 के अंत में प्रति व्यक्ति कर्ज करीब 13,853 रुपये था, जो अब तीन गुना से अधिक बढ़ चुका है।

देश में देनदारियों के मामले में नौंवे स्थान पर है मध्यप्रदेश

कर्ज के मामले में मध्यप्रदेश देश में नौवें स्थान पर है, जबकि तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश और गुजरात जैसे राज्य कर्ज के मामले में मध्यप्रदेश से आगे हैं। प्रदेश सरकार औसतन हर महीने 10 हजार करोड़ रुपये का नया कर्ज ले रही है। इसके अलावा, सरकार को पिछले बजट के अनुसार हर साल करीब 29 हजार करोड़ रुपये का ब्याज चुकाना पड़ रहा है, जो 2024-25 के बजट का 10 प्रतिशत से अधिक है।

मार्च 2024 में राज्य पर कुल कर्ज 3.75 लाख करोड़ था, जो फरवरी 2025 तक बढ़कर 4.22 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। इस समय मध्यप्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति पर अनुमानित कर्ज करीब 43 हजार रुपये हो गया है। मार्च 2016 के अंत में प्रति व्यक्ति कर्ज करीब 13,853 रुपये था, जो अब तीन गुना से अधिक बढ़ चुका है।

देश में देनदारियों के मामले में नौंवे स्थान पर है मध्यप्रदेश

कर्ज के मामले में मध्यप्रदेश देश में नौवें स्थान पर है, जबकि तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, आंध्र प्रदेश और गुजरात जैसे राज्य कर्ज के मामले में मध्यप्रदेश से आगे हैं। प्रदेश सरकार औसतन हर महीने 10 हजार करोड़ रुपये का नया कर्ज ले रही है। इसके अलावा, सरकार को पिछले बजट के अनुसार हर साल करीब 29 हजार करोड़ रुपये का ब्याज चुकाना पड़ रहा है, जो 2024-25 के बजट का 10 प्रतिशत से अधिक है।

रोबोटिक सर्जरी शुरू करने वाला MP का पहला सरकारी अस्पताल बना एम्स,जटिल बीमारियों के इलाज में मिलेगा लाभ

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। एम्स लगातार स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार कर रहा है। भोपाल एम्स को हाईटेक बनाया जा रहा है। ताकि मरीजों को बेहतर से बेहतर उपचार मिल सके। एम्स भोपाल मध्य प्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल बन गया है जहां रोबोटिक सर्जरी शुरू की गई है। यहां के डॉक्टर्स ने रोबर्ट के जरिये स्पाइन की सर्जरी की। सफलता पूर्वक ऑपरेशन को लेकर डॉक्टर्स में खुशी की लहर है। शनिवार को भोपाल एम्स में रोबोटिक सर्जरी शुरू होने की जनकारी एम्स के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि एम्स भोपाल ने 20 करोड़ में रोबोट खरीदी गई है, जिसके लिए केंद्र सरकार ने मदद की है। डॉ. अजय सिंह ने आगे कहा कि पिछले 2 साल से एम्स भोपाल रोबर्ट खरीदने की तैयारी कर रहा था। जिसे फाइनली केंद्र सरकार की मदद से खरीद लिया गया। पहली सफलता पूर्ण रोबोटिक सर्जरी पिछले हफ्ते की गई।

कैंसर के मरीजों को मिलेगा फायदा

एम्स भोपाल के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने बताया कि रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत होने से सबसे अधिक फायदा कैंसर के मरीजों को मिलेगा। इसके साथ ही यह सुविधा शुरु होने से यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, कैंसर, जनरल और प्लास्टिक सर्जरी करवाने वाले मरीजों के ईलाज में भी आसानी होगी। इसके लिए तैयारियां चल रही हैं। बता दें कि मध्य प्रदेश में अब तक रोबोटिक सर्जरी की सुविधा किसी भी सरकारी अस्पताल में नहीं है। हालांकि, इंदौर के एक निजी अस्पताल में रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत हो गई है। इसके अलावा दिल्ली एम्स, अपोलो, फोर्टिस और मुबंई के टाटा मेमोरियल समेत देश के कुछ खास अस्पतालों में ही रोबोटिक सर्जरी की सुविधा है।

ये होगा फायदा

1- शरीर के जटिल अंदरूनी हिस्सों में आसानी से आपरेशन।
2- पूरा आपरेशन एक छोटे से छिद्र से होगा।
3- रक्तस्राव भी न के बराबर होगा।
4- थ्रीडी कैमरों से डाक्टर उन हिस्सों में देख सकते हैं, जहां आंखें नहीं देख सकते।

रोबोटिक स्पाइन सर्जरी के लिए नहीं जाना पड़ेगा बाहर

डॉ. अजय सिंह ने बताया कि एम्स भोपाल मध्य भारत में ऐसा पहला सेंटर बन गया है जहां पर रोबोटिक पद्धति द्वारा ऑर्थोपेडिक विभाग में स्पाइन सर्जरी की सुविधा उपलब्ध हो गई है। थ्री डी इमेजिंग और रोबोटिक प्रणाली वास्तविक समय में इमेजिंग प्रदान करके आर्थोपेडिक सर्जरी में, विशेष रूप से रीढ़ की हड्डी की प्रक्रियाओं में, अधिक सटीकता और सुरक्षा प्रदान करती है। इससे सर्जनों को सटीक निर्णय लेने और संभावित रूप से जटिलताओं और विकिरण जोखिम को कम करने में सहायता मिलती है। स्पाइन सर्जरी में रोबोट का मुख्य उपयोग फ्रीहैंड या फ्लोरोस्कोपी-निर्देशित प्रक्रियाओं की तुलना में सुरक्षित पेडिकल स्क्रू फिक्सेशन सुनिश्चित करने में होता है। अब एम्स भोपाल में इस सुविधा के हो जाने से जटिल स्पाइन सर्जरी को सुरक्षित रूप से किया जा सकता है और मध्य भारत के मरीजों को रोबोटिक स्पाइन सर्जरी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

दो मरीजों की हुई सर्जरी

एम्स में रोबोट द्वारा दो स्पाइन सर्जरी डॉ. वीके वर्मा एवं डॉ. पंकज मिश्रा द्वारा की गई, जो कि सफल रही और मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं। इस सफलता में एनेस्थीसिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वैशाली एवं डॉ. जेपी शर्मा का विशेष सहयोग रहा। ऑर्थोपेडिक विभाग के प्रमुख डॉ. रेहान उल हक ने बताया कि रोबोट का उपयोग स्पाइन के साथ-साथ पेल्विक इंजरी की सर्जरी में भी मददगार सिद्ध होगा।

बच्चों के लिए भी खास

एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह, जो स्वयं एक पीडियाट्रिक आर्थोपेडिक सर्जन हैं, उन्होंने बताया कि रोबोटिक असिस्टेंस से बच्चों के रीढ़ की हड्डी की विकृति, जैसे काइफोसिस या स्कोलियोसिस और जटिल स्पाइन रोगों की सर्जरी को आसान और सुरक्षित रूप से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि एम्स भोपाल का ऑर्थोपेडिक विभाग प्रदेश की जनता को ऐसी सुविधाएं दे रहा है जो कहीं और उपलब्ध नहीं हैं, जैसे कि बोन बैंकिंग सर्विसेज, 3 डी प्रिंटिंग द्वारा सर्जरी, जटिल पीडियाट्रिक सर्जरी, इत्यादि।

भोपाल में बढ़े बिजली बिलों को लेकर अनोखा प्रदर्शन; राहत देने की गुजारिश की

बिजली दफ्तर का घेराव, अफसरों को गुलाब के फूल दिए

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। बिजली के बढ़े बिल, जुर्माना और कनेक्शन काटने की कार्रवाई के विरोध में शनिवार को भोपाल स्थित बिजली कंपनी के दफ्तर का घेराव हुआ। कई महिलाएं ऑफिस पहुंची और अफसरों को गुलाब के फूल दिए। उन्होंने बिजली बिलों में राहत देने की गुजारिश की। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ। बड़ी संख्या में महिलाएं रॉयल मार्केट स्थित बिजली कंपनी के ऑफिस पहुंची थीं। उन्होंने उप महाप्रबंधक से दर्ज प्रकरणों की कॉपी दिखाकर जवाब मांगा। शुक्ला ने कहा कि, बिजली कंपनी ने बिना लोगों की सहमति से मीटर निकाला और उसे लेबोरेट्री में बिना उनकी उपस्थिति के जांच के लिए भेज दिया। साथ ही बिना किसी जानकारी के 40 हजार से सवा लाख रुपए तक के बिल बकाया बताते हुए नोटिस थमा दिए। इतना ही नहीं कॉलोनियों की एक साथ बिजली काट कर रहवासियों को परेशान किया जा रहा है। बिजली के बढ़े बिल, जुर्माना और कनेक्शन काटने की कार्रवाई के विरोध में शनिवार को भोपाल स्थित बिजली कंपनी के दफ्तर का घेराव हुआ। कई महिलाएं ऑफिस पहुंची और अफसरों को गुलाब के फूल दिए। उन्होंने बिजली बिलों में राहत देने की गुजारिश की।कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ। बड़ी संख्या में महिलाएं रॉयल मार्केट स्थित बिजली कंपनी के ऑफिस पहुंची थीं। उन्होंने उप महाप्रबंधक से दर्ज प्रकरणों की कॉपी दिखाकर जवाब मांगा। शुक्ला ने कहा कि, बिजली कंपनी ने बिना लोगों की सहमति से मीटर निकाला और उसे लेबोरेट्री में बिना उनकी उपस्थिति के जांच के लिए भेज दिया। साथ ही बिना किसी जानकारी के 40 हजार से सवा लाख रुपए तक के बिल बकाया बताते हुए नोटिस थमा दिए। इतना ही नहीं कॉलोनियों की एक साथ बिजली काट कर रहवासियों को परेशान किया जा रहा है।

बीएमएचआरसी में लगी रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज मशीन, रेड ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स को अलग करने के लिए उपयोगी

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गौस पीड़ितों के लिए बनाए गए बीएमएचआरसी में रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज मशीन का लोकार्पण किया गया। साथ ही महिला सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यह मशीन रेड ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स को अलग करने के लिए उपयोग की जाती है। राज्यमंत्री कृष्णा गौर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने रक्ताधान चिकित्सा विभाग में मौजूद रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज मशीन का लोकार्पण किया। बीएमएचआरसी के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने संस्थान की फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. नेहल शाह के कविता संग्रह और इन सबके बीच का विमोचन भी किया। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने गौर को अस्पताल के 25वें वर्ष में प्रवेश करने के मौके पर डाक विभाग द्वारा जारी किया गया स्पेशल कवर भी भेंट किया। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक एवं रक्ताधान चिकित्सा विभाग की प्रमुख डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान में पहले से यह मशीन मौजूद थी, लेकिन वे काफी पुरानी हो चुकी थीं। अब दो नई रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज मशीनें खरीदी गई हैं। यह मशीन ब्लड सैंपल्स को ठंडे तापमान पर उच्च गति से घुमाकर रक्त के विभिन्न घटकों जैसे प्लाज्मा, रेड ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स को अलग करने के लिए उपयोग की जाती है। इससे जरूरतमंद मरीजों को सही ब्लड कंपोनेंट प्रदान किया जा सकता है। ठंडे तापमान पर ब्लड सैंपल को प्रोसेस करने से उसकी गुणवत्ता और प्रभावशीलता बनी रहती है।

मंत्री प्रहलाद पटेल के दामाद आईएएस श्यामवीर बने बीडीए के सीईओ

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। केंद्र सरकार की प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे दो आईएएस अधिकारियों को मध्य प्रदेश शासन में नई जिम्मेदारिया सौंपी गई हैं। 2018 बैच के आईएएस और मंत्री प्रहलाद पटेल के दामाद श्यामवीर सिंह नरवरिया को भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) का मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। वहीं, 2013 बैच की आईएएस रुही खान को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग का उप सचिव बनाया गया है। केंद्र सरकार की प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे दो आईएएस अधिकारियों को मध्य प्रदेश शासन में नई जिम्मेदारिया सौंपी गई हैं। 2018 बैच के आईएएस और मंत्री प्रहलाद पटेल के दामाद श्यामवीर सिंह नरवरिया को भोपाल विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

रुही खान को एमएसएमई की जिम्मेदारी

वहीं, 2013 बैच की आईएएस रुही खान को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग (एमएसएमई) का उप सचिव बनाया गया है। मुख्य सचिव अनुराग जैन द्वारा जारी आदेश के तहत, 2013 बैच की आईएएस अधिकारी रुही खान को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग का उप सचिव बनाया गया है। इसके साथ ही, उन्हें औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा इन दोनों अधिकारियों की अस्थायी पदस्थापना से संबंधित आदेश जारी किए गए हैं।

12 मार्च को पेश होगा बजट, गरीब, किसान, महिला और युवा पर रहेगा फोकस

नेता प्रतिपक्ष ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर, जनता से मांगे भ्रष्टाचार के सबूत

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 10 मार्च से शुरू होगा। इससे पहले मध्य प्रदेश कांग्रेस सरकार को घेरने के लिए रणनीति तैयार कर रही है। इसी सिलसिले में रविवार को विधायक दल की बैठक बुलाई है। इस मीटिंग में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी भी शामिल होंगे। यह बैठक 9 मार्च की शाम को होगी। जिसमें बजट सत्र को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। कांग्रेस विधायक दल की बैठक बजट सत्र को लेकर चर्चा होगी। एमपी विधानसभा के बजट सत्र को लेकर रणनीति बनाई जाएगी। साथ ही मध्य प्रदेश कांग्रेस किसान संघ का प्रदर्शन भी 10 मार्च को होगा इसमें सभी दिग्गज नेता शामिल होंगे। इसको लेकर भी बैठक में रणनीति बनेगी।

12 मार्च को पेश होगा बजट

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 10 मार्च 2025 से शुरू होगा। जो कि 24 मार्च तक चलेगा। 12 मार्च को वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा लगभग 4 लाख करोड़ से अधिक का बजट पेश करेंगे। इस बजट में प्रधानमंत्री मोदी की चार जातियों पर ज्यादा फोकस रहेगा। जिसमें गरीब, किसान, महिला, युवा को बजट में प्राथमिकता दी जाएगी। 10 मार्च को राज्यपाल मंगूभाई पटेल के अभिभाषण से शुरू होगा। 11 मार्च को सरकार आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत करेगी। इसमें वर्ष 2024-25 में राज्य सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति, राज्य की विकास दर, प्रति व्यक्ति आय से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में राज्य की स्थिति से अवगत कराया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि राज्य सकल घरेलू उत्पाद 15 लाख करोड़ रुपये के आसपास हो सकता है।

नेता प्रतिपक्ष ने जनता के लिए जारी किया हैं नंबर

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मोबाइल नंबर जारी कर जनता अपील की है कि यदि घोटाले, अपराध, दलितों पर अत्याचार, माफिया राज से जुड़े मामले के कोई भी सबूत उनके पास कोई सबूत है तो वह भेजें, ताकि इसे विधानसभा के पटल पर उठाए जा सके। मुद्दे उठाने के लिए लोग फोटो, वीडियो, कॉल रिकॉर्डिंग, दस्तावेज या अन्य कोई भी प्रमाण सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें उपलब्ध करा सकते है। कांग्रेस इस सत्र में सरकार को भ्रष्टाचार, सौरभ शर्मा, परिवहन घोटाला, अपराध, दलितों पर अत्याचार, घोटालों और माफिया राज जैसे मुद्दों पर घेरने की रणनीति बना रही है। कांग्रेस द्वारा आदिवासी, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा।

सरकार का पहला पूर्ण बजट

जानकारी के लिए बतादें कि मोहन सरकार का यह पहला पूर्ण बजट होगा। क्योंकि दिसंबर 2023 में सरकार बनी थी। 2024 में फरवरी में ही बजट आ गया था। लिहाजा अब सरकार के कार्यकाल को एक साल पूरा हो चुका है, ऐसे में यह मोहन सरकार के कामकाज को लेकर यह पहला पूर्ण बजट होगा। बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार के तर्ज पर मोहन सरकार भी बजट में कई बड़े ऐलान कर सकती है।

सम्पादकीय

मणिपुरः सड़कों पर आवागमन शुरू होते ही हिंसा और तनाव

करीब 22 महीने से जातीय हिंसा की चपेट में रहे पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में शनिवार को मुक्त आवागमन की शुरुआत में ही कुकी इलाकों में तमाम संगठनों ने वाहनों की आवाजाही रोकने का प्रयास किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षाबलों को लाठीचार्ज करना पड़ा। इसमें कई लोग घायल हो गए। इससे कुकी-बहुल इलाको में नए सिरे से तनाव फैल गया है।दूसरी ओर, लूटे गए सरकारी हथियारों को लौटाने की तारीख खत्म होने के बाद सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। राज्यपाल ने इन हथियारों को लौटाने के लिए दो सप्ताह की मोहलत दी थी। वह समय सीमा छह मार्च को ही पूरी हो गई।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीते सप्ताह दिल्ली में मणिपुर की स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई थी। उसमें आठ मार्च से तमाम सड़कों को आवाजाही के लिए खोलने का फैसला किया गया था। जातीय हिंसा के दौर में मैतेई और कुकी संगठनों ने अपने-अपने प्रभाव वाले इलाके में सड़कों पर बैरिकेड लगा कर वाहनों और आम लोगों की आवाजाही रोक दी थी। मणिपुर में बीते महीने राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बावजूद शनिवार को सुबह कुछ प्रमुख सड़कों पर वाहनों की आवाजाही शुरू हुई थी। लेकिन खासकर कुकी-बहुल इलाकों में उनको आम लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। राज्य में ज्यादातर प्रमुख सड़कों पर सरकारी बसों की आवाजाही लगभग ठप थी।सड़क यातायात शुरू होने के बाद फिर से विवाद शनिवार को सड़कें खुलने के बाद भारी सुरक्षा के सात सरकारी बसों का संचालन शुरू किया गया। हालांकि उन बसों में यात्री नहीं के बराबर ही थे। इंफाल से कांगपोक्पी होकर सेनापति जाने वाली सरकारी बस को बीएसएफ के काफिले के साथ रवाना किया गया था। लेकिन कांगपोक्पी जिले की सीमा पर कुकी महिलाओं के एक गुट ने सड़क जाम कर दिया था। उसे हटाने के लिए बीएसएफ के जवानो को लाठीचार्ज करना पड़ा। उसके बाद दोनों जिलो की सीमा पर भारी तनाव पैदा हो गया। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि इंफाल से चूड़ाचांदपुर के बीच हेलीकॉप्टर सेवा भी 12 मार्च से शुरू हो जाएगी। मणिपुर के एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि इंफाल से कांगपोक्पी होकर सेनापति और इंफाल से विष्णुपुर होकर चूड़ाचांदपुर तक जाने वाली सड़क बसों की आवाजाही के लिए खोल दी गई है। उन दोनों सड़कों पर थोडी-थोडी दूर पर सुरक्षा बलों के जवान तैनात हैं। इसके साथ ही बसों के साथ भी सुरक्षाबलों के वाहन तैनात हैं। वैसे, सरकारी हथियार लौटाने की अपील कोई पहली बार नहीं की गई है। इससे पहले जून, 2023 में राज्य में जगह-जगह ड्राप बाक्स रखे गए थे। उन पर लिखा था कि कृपया लूटे गए हथियारों को यहां जमा कर दें। ऐसा करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का भी भरोसा दिया गया था। लेकिन उसका कोई खास असर नहीं हो सका था। राज्य में करीब एक महीने से राष्ट्रपति शासन लागू होने के बावजूद सवाल उठ रहा है कि क्या इससे मणिपुर में शांति लौटेगी? इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि कुकी संगठन अपने रुख पर अड़े हैं। मणिपुर घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की अदालती सलाह के बाद साल 2023 में तीन मई को बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क उठी थी। उसके बाद राज्य के पर्वतीय और मैदानी इलाकों के बीच विभाजन साफ उभर आया। पर्वतीय इलाकों में कुकी-जो और नागा जनजातियां ही रहती हैं। हालात इस कदर बेकाबू हो गए हैं कि अब उनमें से कोई भी एक-दूसरे के इलाके में पांव रखने की हिम्मत नहीं जुटा सकता। हिंसा के बाद दोनों तबकों के उग्रवादी संगठनों ने बड़े पैमाने पर हथियार लूटे और अपनी सुरक्षा का जिम्मा खुद उठा लिया। यह लोग एक-दूसरे को देखते ही जान से मार देते थे और अब भी तस्वीर में खास सुधार नहीं आया है। हिंसा शुरू होने के बाद सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। गैर-सरकारी आंकड़ा उससे कहीं ज्यादा है। हिंसा के दौरान सैकड़ों करोड़ की संपत्ति फूंक दी गई और 50 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित के दौर पर विभिन्न राहत शिविरों में दिन गुजारने पर मजबूर हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि जब तक तमाम लूटे हुए हथियार बरामद नहीं हो जाते और दोनों तबकों के बीच बातचीत नहीं शुरू होती, राज्य में शांति और सामान्य स्थिति की बहाली संभव नहीं है। मौजूदा परिस्थिति में तो इसके आसार कम ही नजर आ रहे हैं।

संभाजी महाराज का बलिदान और मुगल बर्बरता का सच

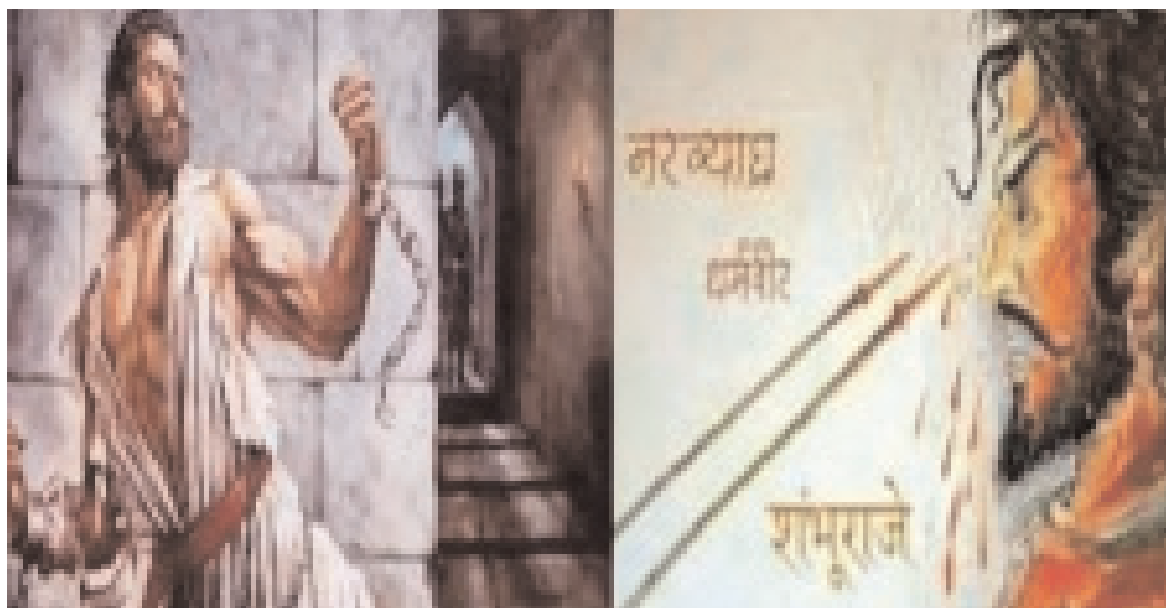

मुगल बादशाह औरंगजेब की क्रूरता, अत्याचार एवं यातनाएं एक बार फिर बॉलीवुड की फिल्म छावा के कारण सुर्खियों में है। इस बार मामला सिर्फ इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं है बल्कि राजनीति में भी गर्मा गया है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल ला दिया है एवं देश के बहुसंख्य समाज की भावनाओं को आहत किया है। भारत में आज भी एक ऐसा वर्ग है जो इस्लामिक कट्टरता के साथ जुड़ने में गर्व एवं गौरव की अनुभूति करता है, भले ही इससे देश की एकता एवं अखण्डता क्षत-विक्षत होती हो। इस्लाम के नाम पर जिसने हजारों हिंदू मंदिरों को ध्वस्त किया, तलवार की नोक पर बड़ी संख्या में लोगों को जबरन मुसलमान बनाया, ऐसे क्रूर एवं सांप्रदायिक शासक औरंगजेब को नेकदिल और महान शासक बताना, आखिर किस तरह की सोच है? भारत के अतीत को जघन्य अपराधों, कट्टरतावादी सोच एवं यातनाओं से सींचने वाले मुगल शासकों के प्रति यह कैसा मोह एवं ममत्व है? हिन्दू धर्म एवं संस्कृति पर आक्रमण करने वाले हमारे आदर्श कैसे हो सकते हैं? भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं समृद्धि को कुचलने वाले महान् शासक कैसे हो सकता है? इन प्रश्नों को लेकर देशभर में छिड़ी बहस हमें आत्मावलोकन एवं मंथन का अवसर दे रही है।

फिल्म 'छावा कोरी फिल्म ही नहीं, हिन्दुओं को संगठित करने का अभियान है, जिसने औरंगजेब के क्रूर एवं बर्बर चरित्र को प्रस्तुत किया है, यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक और छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े बेटे संभाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में संभाजी के साहस, बलिदान और औरंगजेब के अत्याचारों को दिखाया गया है। संभाजी को औरंगजेब ने छलपूर्वक 1689 में क्रूरता से मरवा दिया था, जिसे फिल्म में भावनात्मक ढंग से पेश करने की सफल एवं सार्थक कोशिश हुई है। इस फिल्म में समाजवादी पार्टी के नेता और महाराष्ट्र विधायक अबू आजमी ने इतिहास को गलत ढंग से पेश करने का आरोप लगाते हुए औरंगजेब की तारीफ करके विवाद को और हवा दे दी। आजमी ने कहा, औरंगजेब क्रूर शासक नहीं था। उसने कई मंदिर बनवाए और उसके शासन में भारत सोने की चिड़िया था। आजमी ने यह भी दावा किया कि औरंगजेब और संभाजी के बीच की लड़ाई धार्मिक नहीं, बल्कि सत्ता की थी। इस तरह मुगल आक्रांताओं की तारीफ करना सपा के डीएनए में है। हो सकता है आजमी का यह औरंगजेब प्रेम एवं मुस्लिम कट्टरतावादी सोच हो, लेकिन औरंगजेब ने संभाजी महाराज को 40 दिनों तक जो यातनाएं दीं, वह क्या थी? उनकी आंखें निकाली गईं, जीभ काटी गई, उनके शरीर को लहूलुहान करके उस पर नमक छिडका और फिर उनकी हत्या कर दी गई, इस तरह क्रूरता एवं बर्बरता बरतने वाले शासक को कैसे आदर्श कहा जाये? असंख्य महिलाओं एवं बच्चों पर अत्याचार करना, जबरन धर्म परिवर्तन कराना, हिन्दू मन्दिरों को तोड़ना, देश की समृद्धि का गलत उपयोग करना कैसे प्रेरणास्पद हो सकता है?

औरंगजेब पोत राज्यों, राजपूताना और मराठा शासकों के परिवारों का अपहरण कर लेता था और उन्हें बंधक बना लेता था। ताकि वह निर्विरोध शासन करते हुए सम्पूर्ण भारत पर आधिपत्य कर सके। उसने सभी गैर-मुस्लिम प्रजा और पोत राज्यों से धार्मिक असहिष्णुता कर 卐जज़िया卐 वसूला। औरंगजेब एक असहिष्णु, क्रूर एवं कट्टरपंथी था और उसकी कट्टरता के कारण करोड़ों लोगों को कष्ट सहना पड़ा। शांति और बहुसंस्कृतिवाद की भूमि भारत में ऐसे अत्याचारी को आदर्श नहीं बनाया जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब औरंगजेब जैसे मुगल शासकों के प्रति प्रेम का प्रदर्शन उमड़ा हो, जब दिल्ली की एक सड़क का नाम औरंगजेब रोड से बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखा गया था, तब भी बहुत हाय-तौबा मचाई गयी थी। उस समय भी अनेक लोगों ने औरंगजेब को महान शासक बताया था। जबकि इतिहासकारों ने भी दर्ज किया है छल से छत्रपति संभाजी को पकड़ने के बाद औरंगजेब ने अत्याचार एवं अमानवीयता की सभी हद पार करते हुए जुल्म किए। औरंगजेब छत्रपति संभाजी को इस्लाम कबूल करने के लिए मजबूर कर रहा था लेकिन छत्रपति ने सब प्रकार के कष्ट सहे लेकिन इस्लाम कबूल नहीं किया। जब फिल्मकार ने इस सच को सिनेमा के माध्यम से सबके सामने रखा तो अबू आजमी ने सच को स्वीकारने की बजाय इतिहास को ही झुठलाने का प्रयास किया। उनके बयान की पक्ष-विपक्ष सबने आलोचना की है। कुल मिलाकर, औरंगजेब की तारीफ करने पर चौतरफा घिरे सपा विधायक अबू आजमी को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। उनके खिलाफ दो एफआईआर भी दर्ज की गई हैं जब मामला और बिगड़ गया तो अबू आजमी ने माफी मांगी। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने जो कहा, वह इतिहासकारों के हवाले से कहा। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि वे कौन से इतिहासकार हैं जिनका हवाला अबू आजमी दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि अबू आजमी सरीखे कुछ चाटुकार एवं चारण लोग इतिहासकारों में भी हुए हैं, कांग्रेस के शासन में ऐसे इतिहासकारों से मुगल शासन को महिमामंडित करके लिखवाया गया एवं स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर हिन्दुस्तान की रग-रग में उतारा गया है। औरंगजेब जैसे तानाशाही शासकों के क्रूर चेहरे को छिपाने के लिए झूठे-सच्चे कुछ किस्सों का सहारा लिया है। परंतु ये फर्जी इतिहासकार सच को छिपा नहीं सके। सिद्धांत, सच और व्यवस्था के आधारभूत मूल्यों को मटियामेट कर सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक स्तर पर कीमत वसूलने की ऐसी कोशिशों से बहुत नुकसान हो चुका है, अब इन मनसूंबों को कामयाब नहीं होने दिया जा सकता। सत्य को ढका जाता रहा है पर स्वीकारा नहीं गया। और जो सत्य के दीपक को पीछे रखते हैं वे मार्ग में अपनी ही छाया डालते हैं, भ्रम पालते हैं, झूठ एवं फरेब के सहारे गलत को सही ठहराने की कुचेष्टा करते हैं।

शिवाजी की मृत्यु के बाद उनके बेटे संभाजी ने मराठा साम्राज्य को संभाला। उन्होंने स्वराज्य के संकल्प को ही आकार नहीं दिया बल्कि एक नवीन राज्य निर्मित किया एवं एक नवीन महत्तर महाराष्ट्र को पुनर्जीवित किया। मराठों में साहसिक वीरता, उत्कृष्ट सहनशीलता, घोर निराशा में आशा की भावना, आत्मविश्वास, उच्च आदर्शों के प्रति निष्ठा, श्रेष्ठ सैनिक नैतिक बल, आत्म बलिदान, राष्ट्रीय और देशप्रेम की उत्कृष्ट भावना जैसे गुण विकसित किए और इससे वे इतने शक्तिशाली हो गए कि आगामी 3 पीढ़ियों में वे उत्तरी भारत में विजेता के रूप में पहुंच गए। छत्रपति शिवाजी एवं उनके वंशज देश के अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की हर कोशिश को नाकाम करते रहे हैं।

औरंगजेब की क्रूरताएं सिर्फ दुश्मनों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके शिकार उसके भाई और पिता भी हुए। इतिहासकार इरफान हबीब ने औरंगजेब की क्रूरता के अनेक किस्सों को उजागर करते हुए बताया कि मुगल सत्ता पाने की लालच में औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को जेल भिजवाया। फिर दारा शिकोह को जंग में हराया। हालांकि जंग हारने के बाद दारा मैदान छोड़कर भाग गया था। लेकिन औरंगजेब ने दारा को गिरफ्तार करवाया और षडयंत्र रचकर उसकी गर्दन कलम करवा दी। औरंगजेब सिर्फ दारा शिकोह की हत्या से खुश नहीं हुआ। उसने हत्या की बाद क्रूरता की हदें भी पार की। एक भाई के साथ ऐसी क्रूरता भारतीय इतिहास में देखने को नहीं मिलती। उसने दारा का कटा हुआ सिर जेल में बंद पिता को भेजा।

मुगल शासक औरंगजेब को लेकर महाराष्ट्र से शुरू हुई बयानबाजी की आंच समूचे देश मे पहुंच गयी है। हिन्दुओं में गहरा आक्रोश एवं रोष है। मांग उठ रही है कि मुगल सम्राट औरंगजेब को बर्बर शासक घोषित किया जाए और भारत में उसके नाम पर रखे गए सभी सड़कों और स्थानों के नाम बदलने के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी किया जाए। जैसाकि संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार ने ओसामा बिन लादेन और फ्रांसीसी व रूसी क्रांति के अवशेषों के साथ किया था। किसी भी राष्ट्र एवं समाज का निर्माण इतिहास के सच और ईमानदारी से ही बनता है। और यह सब प्राप्त करने के लिए ईमानदारी के साथ सौदा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह भी एक सच्चाई है कि राष्ट्र, सरकार एवं समाज ईमानदारी से चलते एवं बनते हैं, न कि झूठे इतिहास से। सच को झुठलाना, सच को ढ़कना एवं सच की अनभिज्ञता संसार में जितनी क्रूर है, उतनी क्रूर मृत्यु भी नहीं होती। नया भारत-विकसित भारत-समृद्ध भारत को निर्मित करते हुए हमें हमारे गौरवपूर्ण सांस्कृतिक इतिहास को जीवंतता देनी होगी एवं हमारी संस्कृति एवं इतिहास को कुचलने वाले आक्रमणकारी शक्तियों के विकृत एवं विरूप चेहरों को बेनकाब करना होगा।

ब्रिटेन में खालिस्तानी नेटवर्कः जयशंकर पर हमले की कोशिश से गहराती भारत की चिंता

ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों की जड़ें कितनी गहरी हैं? भारत और पाकिस्तान के क्षेत्र में फैला यह अलगाववादी एजेंडा ब्रिटेन तक पहुंचा कैसे? इसे वहां जोर-शोर से उठाने वाले शख्स और संगठन का क्या इतिहास है? इसके अलावा बीते दिनों में ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों की किन हरकतों को लेकर भारत में चिंता बढ़ी है? आइये जानते हैं...

ब्रिटेन में गुरुवार को भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के काफिले पर खालिस्तान समर्थकों ने हमले की कोशिश की। दरअसल, जयशंकर लंदन के चैथम हाउस में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। बाहर खालिस्तान समर्थक बड़ी संख्या में जुट गए। जब जयशंकर बाहर निकले, उस दौरान उपद्रवियों ने उनके काफिले के सामने प्रदर्शन किया। इसी मौके पर प्रदर्शनकारियों के समूह में से एक व्यक्ति सुरक्षा घेरा तोड़ता हुआ जयशंकर की कार के पास पहुंच गया और उन्हें घेरने की कोशिश करने लगा। इतना ही नहीं खालिस्तान समर्थकों ने उनकी कार को भी रोकने की कोशिश की।

इस पूरी घटना को लेकर ब्रिटेन में भी आवाजें उठी हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमन्स में इस मुद्दे को उठाया और घटना को खालिस्तानी गुंडों की ओर से किया हमला करार दिया। दूसरी तरफ भारत की तरफ से भी ब्रिटेन में खालिस्तानी चरमपंथ के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता जाहिर की गई।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद यह जानना अहम है कि आखिर ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों की जड़ें कितनी गहरी हैं? भारत और पाकिस्तान के क्षेत्र में फैला यह अलगाववादी एजेंडा ब्रिटेन तक पहुंचा कैसे? इसे वहां जोर-शोर से उठाने वाले शख्स और संगठन का क्या इतिहास है? इसके अलावा बीते दिनों में ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों की किन हरकतों को लेकर भारत में चिंता बढ़ी है? आइये जानते हैं...

ब्रिटेन के 2021 तक की जनगणना के मुताबिक, वहां अभी करीब 5.25 लाख सिख बसे हैं। इस लिहाज से ब्रिटेन की जनसंख्या में सिखों का आंकड़ा करीब 1 फीसदी है। यानी ब्रिटेन में सिख चौथा सबसे बड़ा धार्मिक समूह हैं। ब्रिटेन में सिखों की मौजूदगी 19वीं सदी के मध्य से है, हालांकि तब इस धर्म के लोगों की आबादी दूसरे धर्मों के मुकाबले काफी कम थी। यह स्थिति दूसरे विश्व युद्ध के बाद से बदलना शुरू हुई, जब ब्रिटेन में कामगारों की कमी की वजह से बड़ी संख्या में सिख समुदाय को भारत से ब्रिटेन में बसने का मौका दिया गया। इतना ही नहीं 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे का दंश झेलने वाले कई सिख परिवारों ने ब्रिटेन को अपना नया घर बनाने का फैसला किया। मौजूदा समय में ब्रिटेन में सिख आबादी ब्रिटेन के बर्मिंघम और ग्रेटर लंदन जैसे क्षेत्रों में बसी है। इन्हीं शहरों में छोटे-छोटे स्तर पर खालिस्तान समर्थकों के धड़े मौजूद हैं, जिनकी तरफ से समय-समय पर आवाज उठाई जाती रही है।

विभाजन के दंश के बाद भारत और पाकिस्तान में पहुंचे कुछ सिखों ने अपने लिए अलग देश की मांग की। खासकर पाकिस्तान में इस्लामिक शासन के बीच देश छोड़ने के लिए मजबूर होने वाले सिखों ने इसकी मांग जोर-शोर से उठाई। अविभाजित भारत में यह मांग छोटे स्तर पर 1930-40 के दौर में उठी। हालांकि, बाद में लंबे समय तक माहौल शांतिपूर्ण रहा।

1960 के दौर में पंजाब में एक बार फिर अलग खालिस्तान की मांग उठी। दरअसल, इस दौर में खालिस्तान के लिए सबसे बड़ी आवाज माने जाने वाले एक नेता जगजीत सिंह चौहान का उदय हुआ। डेंटिस्ट से नेता बने जगजीत चौहान ने पहले एक अलग स्वायत्त सिख राज्य बनाने की मांग रखी। उनकी इन मांगों का पंजाब में कई कट्टरपंथी समूहों ने समर्थन भी किया। हालांकि, उनका यह अभियान भारत में तेजी से बढ़ने में असफल रहा।

चौंकाने वाली बात यह है कि जगजीत सिंह चौहान की तरफ से यह मांगें तब उठाई गईं, जब वे राजनीति में सक्रिय रहे। पाकिस्तान से संपर्क में आए जगजीत और बदल गया शांतिपूर्ण मांग का रुख बताया जाता है कि विदेश जाने के बाद जगजीत सिंह चौहान ने प्रवासी सिखों को अपने अलग देश- खालिस्तान का विचार दिया। यही वह मौका था, जब पाकिस्तान को जगजीत के एजेंडे का पता चला। भारत में अशांति फैलाने के लिए पाकिस्तान ने जगजीत सिंह से संपर्क साधा। 1971 में जगजीत को ब्रिटेन का पासपोर्ट मिला और वे पाकिस्तान जा पहुंचे। यहां उन्होंने पाकिस्तान के तत्कालीन सैन्य तानाशाह और राष्ट्रपति (1969-1971 तक) याह्या खान से मुलाकात की।

बताया जाता है कि याह्या खान ने जगजीत सिंह से वादा किया था कि वह भारत से अलग एक स्वतंत्र खालिस्तान के निर्माण में उनकी मदद करेंगे। यह पूरा घटनाक्रम उस दौरान हुआ, जब पूर्वी पाकिस्तान को लेकर भारत और पश्चिमी पाकिस्तान में जंग के आसार तेज थे। मौजूदा समय के बांग्लादेश में तब आजादी की लड़ाई जोर-शोर से जारी थी। हालांकि, पाकिस्तान इस मुद्दे को बढ़ावा देकर भारत की भू-राजनीति में बड़ी हलचल को बढ़ावा देना चाहता था।

गौरतलब है कि 1960-70 का दशक वह समय था, जब पाकिस्तान और अमेरिका काफी करीब रहे थे। इसकी वजह थी मध्य एशिया में पाकिस्तान की वह भौगोलिक मौजूदगी, जो उसे पश्चिम और चीन के बीच एक पुल बनाती थी। पाकिस्तान ने अपनी इस स्थिति का फायदा जगजीत सिंह चौहान को भी पहुंचाया और पर्दे के पीछे से अमेरिका में भी उसके अभियान के लिए समर्थन जुटाया।

जगजीत सिंह इसके बाद लंदन वापस लौटे। यहां उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें भारत में रह रहे सिखों को भड़काने की कोशिश की गई। इसके बाद जगजीत न्यूयॉर्क पहुंचे और न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार में खालिस्तानी शासन की स्थापना का एक पूरे पन्ने का ओपिनियन एडवर्टाइजमेंट (ऑप-एड) दे डाला। माना जाता है कि इसके लिए उन्हें अमेरिकी सरकार का भी समर्थन हासिल था।

अगले कुछ दशकों में जगजीत सिंह चौहान अलग खालिस्तान के लिए भारत और ब्रिटेन में समर्थन जुटाने की कोशिश करते रहे। उन्होंने अपने अभियान के लिए फंडिंग जुटानान भी जारी रखा। 1980 में जगजीत ने खालिस्तान परिषद की शुरुआत की, जिसने 1984 से लेकर 1990 के मध्य तक लंदन में खालिस्तान हाउस से निर्वासित सरकार चलाना जारी रखा।

1980 की शुरुआत तक खालिस्तान के लिए आवाज उठाने वालों में जगजीत सिंह चौहान प्रमुख आवाज था। हालांकि, 1984 में जब भारत में ऑपरेशन ब्लू स्टार के तहत आतंकी जरनैल सिंह भिंडरावाले को मार गिराया गया और सेना के इस अभियान में स्वर्ण मंदिर को नुकसान पहुंचा तो दुनियाभर में रहने वाले सिख समुदाय में रोष बढ़ गया। सिख समुदाय के इस आक्रोश का जगजीत सिंह ने फायदा उठाया और कट्टरपंथी सिखों को एकजुट करने की कोशिश की।

इसका नतीजा यह हुआ कि ब्रिटेन में भारत के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गए। एक व्यक्ति ने भारतीय उच्चायोग में घुसकर तबाही मचाई और इसमें आग लगाने की कोशिश की। विदेश और खासकर ब्रिटेन में रहने वाले सिखों का गुस्सा कितना ज्यादा था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अगले कुछ वर्षों तक सिख प्रवासियों के एक धड़े ने पंजाब में चल रहे खालिस्तान आंदोलन को समर्थन दे दिया। इसके चलते भारत में कई खालिस्तानी चरमपंथी संगठन भी खड़े हुए। चरमपंथी वर्ग ने साथ ही साथ खालिस्तान के नाम पर अपराध कर भागने वालों को भी पनाह देना शुरू कर दिया और लड़ाई के लिए धन जुटाना जारी रखा। यही वह समय था जब ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों में बड़ी संख्या में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का पहुंचना शुरू हुआ।

1990 का दौर भारत और खासकर पंजाब के लिए काफी संवेदनशील रहा। हालांकि, केपीएस गिल के नेतृत्व में पंजाब में शांति स्थापित करने में सफलता हासिल की गई। इसके बावजूद कुछ छोटे इलाकों में खालिस्तान समर्थन की आवाजें उठती रही हैं। वहीं, भारत ने घर की स्थिति ठीक करने के बाद विदेश में खालिस्तान समर्थन से जुड़े अभियानों पर नियंत्रण की कोशिश शुरू की। ब्रिटिश अखबार द डेलीमेल के मुताबिक, 2015 में भारत ने ब्रिटेन को एक डोजियर सौंपा था, जिसमें कहा गया था कि सिख युवाओं को ब्रिटेन के गुरुद्वारों में कट्टरपंथी बनाने की कोशिश की जा रही है। इसमें कहा गया था कि विचारधारा बदलने के साथ युवाओं को साधारण केमिकल्स से विस्फोटक बनाने की ट्रेनिंग भी दी जाती है।हालिया दिनों में ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों के उग्र प्रदर्शनों में बढ़ोतरी देखी गई है। खासकर चरमपंथी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) की अलग खालिस्तान के लिए जनमत संग्रह से जुड़ी मांग के बाद। ब्रिटेन में इस रेफ्रेंडम को कराने की कई कोशिशें की गईं। हालांकि, वोटिंग के फर्जी दावों और प्रोपगैंडा के बीच इनमें 50 हजार लोगों के पहुंचने का दावा किया जाता है।

मुख्यमंत्री के आदेश का नहीं किया जा रहा है पालन एक इंजेक्शन 100 से 500 तक बना लेते हैं अपनी फीस झोलाछाप डॉक्टर

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, इन! दोनों हमने यह देखा की ऐसा क्या हो गया डॉक्टर और स्टाफ की कमी है जिसके कारण गली-गली और गांव-गांव में नई-नई दुकान झोलाछाप डॉक्टरों की खोली जा रही है जैसा की अनूपपुर जिले के अंदर कोतमा विधानसभा क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों की लूट मची है और एक जगह की बात नहीं है हमने पूरे अनूपपुर जिले का भ्रमण किया और यह देखा गांव की जनता स्वास्थ्य विभाग के लापरवाही के कारण झोलाछाप डॉक्टरों के पास अक्सर जाती है और वह झोलाछाप डॉक्टर महंगी महंगी दवाइयां लिखते हैं जिससे उन गरीबों के पास अक्सर पैसे ना होने के कारण वह दवाई नहीं करवा पाए और इतना ही नहीं अगर किसी ने अपने घर के कागज या फिर जेवर गिरवी करके इलाज के लिए जाते हैं पर लंबी कमाई करने के लिए झोलाछाप डॉक्टर महंगी महंगी

दवाइयां लिखते हैं और मेडिकल में उनकी कमीशन बंधी होती है इतना ही नहीं जब हम यह जानकारी देते हैं ड्रग इंस्पेक्टर और डॉ आरके वर्मा को तो उनका कहना यह रहता है की हमारी टीम गठित हो रही है हम जल्द ही इस पर कार्रवाई करेंगे पर ऐसा क्या हो गया कि आज 3 महीने से अधिक हो जा रहे हैं पर उनकी टीम आज तक कोई कार्रवाई नहीं कर पा रही है ऐसा लगता है इन भ्रष्ट अधिकारी कोई कार्यवाही नहीं करना चाहते और ना ही वह अपनी टीम को कहीं भेजते हैं हमने कई बार समाचार पत्रों पर खबर लगाई पर इन अधिकारियों को गरीबों का खून चूसते की आदत पड़ गई है क्योंकि जब कोई झोलाछाप डॉक्टर फसता है तो वह अधिकारी के पास जाता है और अपनी बात रखता है उसके बाद आखिर क्या हो जाता है अधिकारी जो उसे झोलाछाप डॉक्टर की कमाई से लगता है उनको भी कुछ हिस्सा मिल जाता है ऐसे में गरीब जनता किसके पास गुहार लगाई जिला प्रशासन भी ध्यान नहीं दे रहे हैं ना ही उनके भ्रष्ट अधिकारी ध्यान दे रहे हैं जैसा कि आरके वर्मा जैसा भ्रष्ट अधिकारी हमने तो देखा ही नहीं ऐसे भ्रष्ट अधिकारी के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए जिनका कहना यह है कि हमारी टीम गठित हो गई है कल हम उनको भेजेंगे अरे आपको तो सर बोलते बोलते हमें लगता है दो-तीन महीने हो गए माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि ऐसे अधिकारियों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

रीवा में विंध्य आइकॉनिक बिज़नेस अवॉर्ड 2025 में गुलाब शुक्ला हुए सम्मानित

गुलाब शुक्ला जी को मिला विंध्य आइकॉनिक बिज़नेस अवॉर्ड

छत्रसाल सिंह । सिटी चीफ
रीवा, विंध्य आइकॉनिक बिज़नेस अवॉर्ड 2025 का आयोजन रीवा के होटल लैंडमार्क में विगद रात्रि एक मंच में 2 बड़े आयोजन आयोजित किए गए,जिसमें उद्योगपति अभय ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन गुलाब शुक्ला को मिला उद्यम, के छेत्र में यह सम्मान किया गया , जानकारी के अनुसार बता दे गुलाब शुक्ला जी के अथक प्रयासों से लगातार विंध्य क्षेत्र में एकलौता बोल्टलिंग LPG का पवार प्लांट है।
जिससे लाखों घरों तक हर रोज गैस सिलेंडर को पहुचाने का कार्य निरंतर कर रही हैं। एक और नया कीर्तिमान स्थापित किया है शुक्ला जी ने रीवा के एअरपोर्ट से जुड़े हुए गेट चोरहता से द्यश्चद्द का पवार प्लांट और पेट्रोलपंप कुछ ही दिनों में बनकर तैयार हो

जाएगा, उनके इस अथक प्रयासों से हम गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और उनको विंध्य आइकॉनिक बिज़नेस अवॉर्ड 2025 से सम्मानित कर खुद को गौरव महशूस कर रही है, । हम आपके उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करते है।

महाविद्यालय के स्नेह सम्मेलन में चेहरा देखकर पत्रकारों को आमंत्रण मीडियाकर्मियों में रोष

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में गत शुक्रवार 7 मार्च को ग्यारहवां वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय पत्रकारों के एक बड़े समूह को आमंत्रित नहीं किया गया। जिससे स्थानीय पत्रकारों में महाविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ रोष व्याप्त हो गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि कालेज प्रबंधन द्वारा समाचार सहित अनेकों गतिविधियों के लिए हायर कर लिया गया है और उन्होंने कहा है कि अब वे आगे से महाविद्यालय की किसी भी प्रकार की गतिविधियों को समाचार पत्र में स्थान नहीं देंगे। आमंत्रण प्राप्त न होने से स्थानीय पत्रकार अपने-आप को अपमानित सा महसूस कर रहे है।
उल्लेखनीय है कि शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में अनेक वर्षों के पश्चात् वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन रखा गया। जिसमें जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष लालबर्रा, ग्राम पंचायत मानपुर सरपंच सहित स्थानीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, गौरीशंकर बिसेन पूर्व केबिनेट मंत्री एवं श्रीमती भारती पारधी सांसद को आमंत्रित किया गया था। स्नेह सम्मेलन के आमंत्रण कार्ड स्थानीय मीडिया कर्मियों में से कुछेक को ही चुन-चुनकर दिए गए और बहुसंख्यक मीडियाकर्मियों को इस सम्मेलन में आमंत्रित ही नहीं किया गया। जिससे मीडियाकर्मी में रोष व्याप्त है।
बताया जा रहा है कि स्नेह सम्मेलन के अलावा महाविद्यालय में प्रति

सप्ताह अनेक प्रकार के कार्यक्रम नित प्रति आयोजित होते रहते है जिनके कवरेज हेतु भी मीडियाकर्मियों को आमंत्रित नहीं किया जाता है। कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात् कॉलेज के कर्मचारी ही खुद से समाचार बनाकर कुछ एक ही मीडियाकर्मियों को भेज देते है और वो समाचार भी बगैर पुष्टि के जैसे का तैसा छप जाता है। यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि महाविद्यालय में अनेक अवसरों पर विद्यार्थियों की रैली निकाली जाती है परन्तु उस रैली को नगर भ्रमण कभी नहीं करवाया जाता, केवल कॉलेज के गेट तक रैली ले जाकर वापिस कर दिया जाता है और समाचार पत्रों में रैली को नगर भ्रमण करवाया गया, इस आशय की खबरें प्रकाशित करवा दी जाती है। कॉलेज प्रबंधन द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधि जनपद सदस्य का नाम आमंत्रण पत्र में नहीं होने और सभी स्थानीय पत्रकारों को निमंत्रण नहीं देने पर नाराज़।
शासकीय महाविद्यालय प्राचार्य सुरेंद्र कुमार खण्डायत का तुगलकी फरमान यह है - मेरे घर की शादी होगी तो मेरा निर्णय होगा कि किसको बुलाना है और किसको नहीं वैसे ही हमारे कॉलेज के फंक्शन में कौन क्या होगा यह निर्णय भी हमारा होगा कि किसको बुलाए और अथवा ना बुलाए यह हमारा अपना मामला है हमने कोई अपराध नहीं किया और यह कोई मुद्दा नहीं है इसको अगर आपको कोर्ट में चुनौती देना है तो दे दो इस प्रकार स्थानीय जनप्रतिनिधि को भी मेरे कॉलेज के फंक्शन में मैं किस लिए बुलाऊं हमको जिसको नहीं बुलाना है नहीं बुलाए -
सुरेन्द्र कुमार खण्डायत
प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा।

मायके जाने से मना किया तो. दूधमुही बच्ची को फांसी लगाकर खुद भी फांसी पर लटक गई महिला बरही के ग्राम पथरेहटा की घटन

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के बरही थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पथरेहटा में एक मां ने अपनी दो वर्षीय दूधमुही बच्ची को पहले फंदा लगाकर टांग दिया, उसके बाद खुद भी फंदे पर झूल गई। मासूम बेटी और मां की इस तरह मौत होने के कारण पूरे क्षेत्र में खलबली मच गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।
बरही थाना प्रभारी शैलेंद्र यादव ने बताया कि बरही थाना क्षेत्र ग्राम पथरेहटा निवासी संजय कोल की 25 वर्षीय पत्नी सुमित्रा कुछ दिन पहले ही अपने मायके से ससुराल आई थी। उसके मायके में भैंस ने बच्चा दिया जिसके कारण अन्य बहने तेली खाने पहुंची थी, और सुमित्रा को भी मायके आने के लिए कह रही थी। कुछ दिन पहले ही ससुराल वापस आई सुमित्रा ने जब फिर से मायके जाने के लिए पति और ससुराल वालों से कहा तो ससुराल वालों ने उसकी बात नहीं सुनी और मायके जाने से इनकार कर दिया। ससुराल के सभी लोग

ईंट बनाने चले गए, नंद दोपहर में दसवीं का पेपर देने चली गई। पुलिस के मुताबिक मासूम बेटी के साथ घर में अकेली मौजूद सुमित्रा ने 7 मार्च की दोपहर लगभग 2 से 4 बजे के बीच साड़ी के एक छोर से पहले अपनी मासूम दो वर्षीय बेटी के गले में फंदा लगाया और उसके बाद दूसरे छोर पर खुद के गले में फंदा लगाकर झूल गई। पेपर खत्म होने के बाद मृतिका की नंद जब घर वापस लौटी तो फंदे पर भाभी और भतीजी को लटकता देख वह स्तब्ध रह गई। आनन फानन में उसने स्थानीय लोगों और परिवार वालों तक इसकी जानकारी पहुंचाई, जिसके बाद पूरे गांव में चीख पुकार मच गई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही शुरू कर दी है। वही मृतिका के पिता फत्तू कोल ने आरोप लगाते हुए बताया कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की है उसे ससुराल वालों ने गला दबा मारा है। वही इस घटना के संबंध में बातचीत करते हुए बरही थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह यादव ने कहा कि प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि महिला ने मायके जाने की बात ससुराल वालों से की थी। जिस पर ससुराल वालों ने उसे मायके जाने से मना कर दिया था। जिस समय घटना हुई उस समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। मृतिका ने पहले मासूम बेटी को फांसी लगाई और फिर दूसरी तरफ खुद फंदे में लटक कर झूल गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है।

मंत्री के विरोध में कटनी कांग्रेस ने कचहरी चौराहे में किया जोरदार प्रदर्शन

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, मध्यप्रदेश सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रदेश की जनता को भिखारी कहे जाने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मार्गदर्शन में जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ रेस्ट हाउस सिविल लाइन से रैली निकाल कर कचहरी चौराहे में जोरदार प्रदर्शन किया।
कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अधिवक्त संघ के अध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि मंत्री प्रहलाद पटेल ने एक कार्यक्रम में कहा कि जहां भी मंत्री पहुंचते है वहां जनता ज्ञापन देने के नाम पर सौगातों की भीख मांगने के लिए कटोरा आगे कर देते है जनता को अपमानित करने वाला भिखमंगा शब्द का इस्तेमाल किया जिला कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अमित शुक्ला ने कहा निश्चित रूप से प्रहलाद पटेल का उक्त कथन निंदनीय एवं घोर आपत्तिजनक है जनता के सम्मान व स्वाभिमान के लिए कांग्रेस हमेशा सड़कों पर उतरकर लड़ेगी। आम जनता को सार्वजनिक रूप से भिखारी कहकर जनता जनार्दन का अपमान किया है , मंत्री प्रहलाद पटेल को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि मंत्री के ऐसे बयान से ऐसा प्रतीत होता है की प्रदेश अब भाजपा के हाथ से बेलगाम हो चुका है।

ढीमरखेड़ा पुलिस की बड़ी कार्यवाही

700 लीटर अवैध डीजल जप्त

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के ढीमरखेडा पुलिस ने होली पर्व के दौरान क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए दो स्थानो पर दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध डीजल का भंडार जप्त किया। पकड़े गए आरोपियों के द्वारा अवैध रूप से बड़े पैमाने पर डीजल का भंडारण किया गया था। दो ठिकानों पर छापा मार्ग कार्यवाही करते हुए ढीमरखेड़ा पुलिस ने ड्रेवो में रखे 600 लीटर डीजल को जप्त कर लिया। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने बातचीत करते हुए कहा कि क्षेत्र में संचालित अवैध गतिविधियों मादक पदार्थों की तस्करी एवं गुंडे बदमाशों पर कार्यवाही के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत ढीमरखेड़ा पुलिस ने गत रात्रि पुख्ता सूचना के आधार पर डीजल, पैट्रोल के व्यापार में लगे व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही को अंजाम दिया। थाना प्रभारी ढीमरखेडा के नेतृत्व में अवैध डीजल के व्यापार में लगे आरोपी चूडामडि यादव के ठिकाने पर रेड कार्यवाही को अंजाम देते हुए उसके कब्जे से

प्लास्टिक के गुम्मे में भरा 100 लीटर डीजल एंव ग्राम जिर्री में संपतलाल यादव के घर से 3 ड्रमो में भरा 600 लीटर डीजल जप्त किया गया। आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर घटना की जांच की जा रही है। उक्त आरोपियों से डीजल के संबंध में कागजात मांगे गये जो कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नही कर सके। दोनो स्थानों से कुल 700 लीटर डीजल जप्त कर लिया गया। आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

जन शिक्षण संस्थान सी सेक्टर अलकापुरी रतलाम द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली अनुदेशिकाओ किया सम्मानित

शारुख मिर्ज़ा । सिटी चीफ
मंदसौर, 8 मार्च 2025 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जन शिक्षण संस्थान सी सेक्टर अलकापुरी रतलाम द्वारा श्रीमती दिव्या चंदन शर्मा जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा के मुख्य आतिथ्य में महिला सम्मान गतिविधि एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान की पूर्व निदेशिका श्रीमती कल्पना पुरोहित, अधिवक्ता सुश्री हेमलता निरंजनी, नगर निगम रतलाम से ललिता बर्डे तथा संस्थान के प्रभारी निदेशक श्री रघुवीर सिंह सिसोदिया, कार्यक्रम सहायक अर्जुन सिंह सोनगरा, कीर्ति आजाद सोनगरा, श्रीमती भारती मौर्य , एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम माँ सरस्वती के चित्र पर

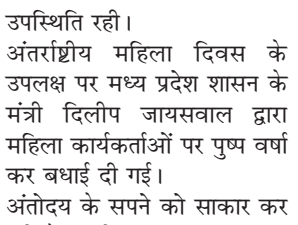

माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलित से किया गया ,अनुदेशिकाओ द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की , श्रीमती दिव्या जी शर्मा ने अपनी ओजस्वी आवाज से भारतीय सभ्यता संस्कार को वर्तमान समय में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।पूर्व निदेशिका श्रीमती कल्पना पुरोहित ने श्रमिक विद्यापीठ से जन शिक्षण संस्थान तक के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की, अधिवक्ता सुश्री हेमलता निरंजनी ने महिला कानून एवं उपयोग सम्बन्धित जानकारी दी, नगर निगम रतलाम से पधारी ललिता जी बर्वे ने राज्य शासन नारी कल्याण की लाभकारी योजनाओ के जानकारी प्रदान की , कार्यक्रम के अंत मे संस्थान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जन शिक्षण जावरा अनुदेशिका श्रीमती इशरत जहां, श्रीमती अनुराधा गर्ग , श्रीमती सोनल बघेल आदि को प्रमाणपत्र एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया साथ ही ब्यूटी पॉर्लर, कम्प्यूटर , ड्रेस मेकर आदि का प्रशिक्षण पुर्ण करने वाले प्रशुक्षार्थियो को प्रमाणपत्र प्रदान किये। आभार कार्यक्रम सहायक श्रीमती भारती मौर्य ने किया ।

कोतमा मंडल में नव नियुक्त जिला अध्यक्ष एवं मंत्री दिलीप जायसवाल का हुआ भव्य स्वागत

क्षेत्र के विकास कार्य के लिए हमारी सरकार हर प्रयास करेगी- मंत्री दिलीप जायसवाल

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
कोतमा, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं कोतमा विधानसभा के लाडले विधायक एवं प्रदेश के राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल का अग्रसेन भवन कोतमा में पार्टी कार्यकर्ताओं के पदाधिकारी द्वारा भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी तथा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उपस्थित रही। कोतमा प्रवेश करते ही भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा जिला अध्यक्ष का जगह-जगह पर हुआ भव्य स्वागत किया गया। अग्रसेन भवन कोतमा में आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल की गरिमामय में उपस्थिति रही।
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष पर मध्य प्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल द्वारा महिला कार्यकर्ताओं पर पुष्प वर्षा कर बधाई दी गई।
अंतोदय के सपने को साकार कर रही है हमारी भाजपा सरकार
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा क्षेत्र के विकास कार्य के लिए हमारी सरकार हर प्रयास करेगी विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा अंतोदय के सपने को साकार करने की दिशा में हमारी भाजपा सरकार तेज गति से कार्य कर रही है जिसका परिणाम जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है। भाजपा कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियां को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के बनने से संगठन के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार हुआ है जिसका लाभ आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा। हम सबको मिलकर देश और प्रदेश का विकास करना है।
नई ऊर्जा के साथ करेंगे संगठन का कार्य कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता नरेंद्र मरावी ,पूर्व जिला अध्यक्ष बृजेश गौतम प्रेमचंद यादव भाजपा जिला महामंत्री अखिलेश द्विवेदी जिला उपाध्यक्ष हनुमान गर्ग, विभाग संयोजक पीड़ा भारती डॉक्टर मदन त्रिपाठी, नवल शराफ, मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन विजय पांडे प्रभात कुमार मिश्रा नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ जितेंद्र भट्ट अखिलेश द्विवेदी अजीत जैन सिद्धार्थ सिंह राजू जायसवाल रामशरण केवट अटल ब्यौहार टिंकू उपाध्याय सिद्धांत जैन सिद्धू अमन सिंह यश व्योहार बीतल व्योहार महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रस्मी खरे ज्योति सोनी सीमा व्योहार अर्चना जैस्वाल छाया सोनी उर्मिला गर्ग मोर्चा सहित भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी भाजपा मीडिया प्रभारी पुनीत सेन द्वारा दी गई।

क्षेत्र के विकास कार्य के लिए हमारी सरकार हर प्रयास करेगी- मंत्री दिलीप जायसवाल

कोतमा विधानसभा में भाजपा जिला अध्यक्ष का जगह-जगह पर हुआ भव्य स्वागत

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, भारतीय जनता पार्टी के द्वारा कोतमा विधानसभा के राजनगर ग्रामीण एवं बिजुरी मंडल में 7 मार्च 2025 को आयोजित कार्यशाला एवं भाजपा जिला अध्यक्ष के स्वागत सम्मान समारोह में पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम का भव्य स्वागत भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया आयोजित कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल की गरिमामय में उपस्थिति रही।

अंतोदय के सपने को साकार कर रही है हमारी भाजपा सरकार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा क्षेत्र के विकास कार्य के लिए हमारी सरकार हर प्रयास करेगी विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा अंतोदय के सपने को साकार करने की दिशा में हमारी भाजपा सरकार तेज गति से कार्य कर रही है जिसका परिणाम जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है। भाजपा कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियां को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के बनने से संगठन के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार हुआ है जिसका लाभ आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा। हम सबको मिलकर देश और प्रदेश का विकास करना है।

नई ऊर्जा के साथ करेंगे संगठन का कार्य कोतमा विधानसभा क्षेत्र के राजनगर ग्रामीण मंडल के सामुदायिक भवन में मंडल अध्यक्ष सुषमा जोशी एवं बिजुरी मंडल के अतुल्य पैलेस में बिजुरी मंडल अध्यक्ष रविंद्र शर्मा के द्वारा आयोजित कार्यशाला एवं स्वागत सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने कार्यकर्ताओं से कहा कि हम सब नई ऊर्जा और नई दिशा के साथ कार्य करेंगे ,पार्टी में हर कार्यकर्ता का सम्मान होगा ,संगठन को और मजबूत करने की दिशा में कार्य किया जाएगा, पार्टी में समन्वय बनाकर कार्य करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए भव्य स्वागत के प्रति आभार प्रकट करते हुए बिजुरी नगर में संगठन के कार्य को संचालित करने हेतु भाजपा कार्यालय का उद्घाटन भी किया।

35 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन नगर पालिका परिषद बिजुरी की अध्यक्ष श्रीमती सहबिन पनिका उपाध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन साहू के द्वारा आयोजित भूमि पूजन के कार्यक्रम मंत्री दिलीप जायसवाल एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के द्वारा 35 करोड़ के विकास कार्यों का पूजन किया गया जो क्षेत्र के विकास को गति प्रदान करेगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता प्रेमचंद यादव भाजपा जिला महामंत्री अखिलेश द्विवेदी जिला उपाध्यक्ष हनुमान गर्ग मंडल अध्यक्ष रविंद्र शर्मा सहित भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

थाना रामनगर द्वारा 01 गिरफ्तारी

01 वसूली वारंटी गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय एवं श्रीमान एसडीओपी महोदय कोतमा के द्वारा माननीय न्यायालय में विचाराधीन विभिन्न आपराधिक प्रकरणों में चल रहें फरार वारण्टियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश करने हेतु निर्देशित किया था। जिसके अनुपालन में थाना रामनगर द्वारा दिनांक 08.03.25 को माननीय श्री रविंद्र कुमार शिल्पी जेएमएफसी न्यायालय कोतमा एमजेसी आर 354/2024 धारा 125(3)में जारी 54,000/- रू . का वसूली गिरफ्तारी वारण्ट के वारण्टी ओमप्रकाश केवट पिता कमला केवट उम्र 52 वर्ष निवासी आमाडांड एवं माननीय श्री रविंद्र कुमार शिल्पी जेएमएफसी कोतमा प्र0 क्रं0 1198/22 अपराध क्रं0 479/22 में जारी गिरफ्तारी वारण्ट के वारण्टी सागर चौधरी पिता सुखलाल उम्र 21 वर्ष निवासी पटेरा टोला को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय कोतमा में पेश किया गया ।

उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी रामनगर उपनिरीक्षक सुमित कौशिक के कुशल नेतृत्व में प्रआर0 72 श्रीश्याम शुक्ला , प्रआर0 44 योगेन्द्र मिश्रा, प्रआर0 31 निरंजन खलखो, प्रआर 134 अमर सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

जनता की सुविधा हेतु एक घंटे बढ़ाया गया निबंधन कार्यालयों का समय

मार्च में 5 बजे तक उपलब्ध होंगे रजिस्ट्री स्लॉट, कार्यालय 6 बजे तक करेंगे रजिस्ट्री का कार्य

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर। आम जनमानस को विलेख पंजीकरण का अधिकाधिक अवसर व सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु यह निर्देश दिया गया है कि प्रदेश के समस्त उप-निबन्धक कार्यालय माह मार्च 2025 में शाम 6 बजे तक रजिस्ट्री का कार्य करेंगे इसके साथ ही स्लॉट बुक करने का जो समय 4 बजे तक था उसे भी एक घंटा बढ़कर शाम 5 बजे कर दिया गया है। इसके साथ ही मार्च माह के अंतिम रविवार को भी विलेख पंजीकरण का कार्य सुचारु रूप से सम्पादित किया जायेगा, ताकि उक्त अवकाश के दिन भी आम जनमानस के द्वारा विलेखों का अधिक संख्या में पंजीकरण कराया जा सके और विभाग को निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के वित्तीय समापन एवं माह मार्च में होली व नवरात्रि के त्योहार के कारण इस माह में आम जनमानस द्वारा अधिक संख्या में अचल सम्पत्तियों का पंजीकरण कराया जाना सम्भावित है। माह मार्च में होली आदि त्योहारों के सार्वजनिक अवकाश के कारण माह में उपलब्ध कार्य दिवस अपर्याप्त होने के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही माह मार्च 2025 के अन्य अवकाश दिवस अथवा रविवार को उप निबन्धक कार्यालयों को निबन्धन कार्य हेतु खोले जाने के सम्बन्ध में स्थानीय स्तर पर निर्णय लिये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।एक मुश्त समाधान योजना के अंतर्गत स्टाम्प कमी के मुकदमों को 31.03.2025 तक मात्र 100 रु के अर्थदंड पर समाप्त किए जाने का निर्णय भी पूर्व मे लिया गया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी की जनसेवा के संकल्प को सिद्ध करने के लिए यह निर्णय लिए गए है।सहारनपुर मंडल के स्टाम्प तथा एवं पंजीयन विभाग, के डी.ई. जी अखिलेश दुबे ने आम जन से अपील करते हुए कहा कि समाधान योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।यह समाधान योजना 31 मार्च तक कियान्वित की जाएगी।उन्होंने बताया कि स्टांप तथा पंजीयन मंत्री रविंद्र जायसवाल के निर्देश पर आम जनता की सुविधा के लिए कार्यालय का समय एक घंटे बढ़ाया गया है।

नारायणपुर में खनिज परिवहन में अवैध वसूली का खेल

माइनिंग सर्टिफिकेट के नाम पर लूट - भोले-भाले ट्रक मालिक बन रहे शिकार

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ
नारायणपुर, जिले में खनिज परिवहन से जुड़े ट्रक मालिकों के लिए मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। उत्तर प्रदेश (यूपी) से आए कुछ कथित खनिज और ऋझह एजेंटों द्वारा खुलेआम अवैध वसूली की जा रही है। ये एजेंट भोले-भाले ट्रक मालिकों को शिकार बना रहे हैं और माइनिंग आईडी का पासवर्ड न देकर उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान कर रहे हैं।

कैसे चल रहा है अवैध उगाही का खेल माइनिंग सर्टिफिकेट बनाने के लिए ये एजेंट सामान्य शुल्क से दोगुना वसूल रहे हैं।

खुद को RTO अधिकारी और खनिज विभाग का अधिकारी बताकर ट्रक मालिकों से अवैध वसूली की जा रही है।

समय पर माइनिंग सर्टिफिकेट नहीं मिलने से ट्रक मालिकों को प्रतिदिन हजारों रुपये का नुकसान हो रहा है।

क्या प्रशासन है अनजान या मिलीभगत माइनिंग और परिवहन विभाग के अधिकारियों की चुप्पी इस पूरे मामले को और संदिग्ध बना रही है। सवाल यह है कि क्या अधिकारी इन फर्जी एजेंटों से अंजान हैं या फिर मिलीभगत कर रहे हैं जिले में यूपी के तर्ज पर दो भाई फर्जी RTO अधिकारी बनकर बेखौफ वसूली कर रहे हैं, जिससे ट्रक मालिकों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स से खुलासा सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरा नेटवर्क बड़े स्तर पर सक्रिय है और इसमें कई प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता हो सकती है। स्थानीय ट्रांसपोर्ट यूनियन और खनिज व्यापारियों ने प्रशासन से इस पर तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

प्रशासन से अपील ट्रक मालिकों और स्थानीय व्यवसायियों ने नारायणपुर प्रशासन और खनिज विभाग से इस अवैध वसूली गिरोह पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन की चेतावनी भी दी जा रही है।

अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है या फिर ट्रक मालिकों को ऐसे ही लूटने के लिए छोड़ दिया जाएगा

आरटीई एक्ट को गहनता से पढ़कर गंभीरता से कराएं लागू - सभापति डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह

विधान परिषद की शिक्षा का व्यवसायीकरण संबंधी जांच समिति की बैठक हुई संपन्न

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, विधान परिषद की शिक्षा का व्यवसायीकरण संबंधी जांच समिति की बैठक सभापति डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह गुरु जी की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में हुई। सभापति ने कहा कि समिति के सामने जो भी सूचनाएं उपलब्ध कराई जाएं वे सत्य एवं तथ्यात्मक हो। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकार की प्राथमिकताओं वाले कार्यों के साथ ही रूटीन के कार्यों को भी नियमित रूप से किया जाए। विभिन्न शिक्षण संस्थानों द्वारा लिए जा रहे शुल्क का निर्धारण किस स्तर से हुआ है इसकी सूचना भी उपलब्ध कराई जाए। सभी व्यवस्थाएं पारदर्शी ढंग से लागू की जाए। शिक्षा में कहीं पर भी भ्रष्टाचार न हो। कॉशन मनी का प्रयोग निर्धारित मानक के अनुसार किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों को जिस स्तर की मान्यता प्राप्त है वहां पर उसी स्तर की पढ़ाई हो यह सुनिश्चित किया जाए। डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह ने निर्देश दिए कि जनपद सहारनपुर एवं शामली के बीएसए एवं डीआईओएस लिखित में दें कि उनके जनपदों में मान्यता संबंधी कोई भी आवेदन लंबित नहीं हैं। विद्यालयों में संचालित वाहनों के पंजीयन की संतोषजनक जानकारी न देने पर एआरटीओ सहारनपुर और शामली को संपूर्ण जानकारी के साथ लखनऊ तलब किया। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला विद्यालय यान समिति की बैठक में जन प्रतिनिधियों को आवश्यक रूप से आमंत्रित किया जाए। उन्होंने अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सहारनपुर एवं शामली को निर्देश दिए कि जांच कमेटी गठित कर बिंदुओं का निर्धारण कर जिलाधिकारी की अनुमति से मदरसों की जांच की जाए एवं दो माह के अंदर समिति को रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। मा0 सभापति ने निर्देश दिए कि प्राथमिक विद्यालयों में मिड डे मील के अंतर्गत रसोई में खाना बनाने वालों का मानदेय होली से पहले देना सुनिश्चित कराएं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्कूलों में जाकर निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त कराएं। कॉलेजों में ली जाने वाली फीस की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक 06 माह में निरीक्षण कर जांच की जाए की निर्धारित फीस ली जा रही है। 15 वर्ष आयु से अधिक के हो चुके स्कूली वाहनों के संबंध में निर्देश दिए कि ये वाहन नए सत्र से स्कूल में न चलें। दोनों जनपदों के बीएसए और डीआईएस को निर्देशित किया कि विद्यालयों में लगे फर्स्ट एड बॉक्स में आवश्यक दवाओं की सूची सीएमओ को उपलब्ध कराएं। सीएमओ एक सप्ताह के अंदर दवाइयां स्कूलों को उपलब्ध कराएं। प्रधानाचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज को निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेज में ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि जनप्रतिनिधियों के फोन तुरंत उठें और सकारात्मक रिस्पॉन्स मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आरटीई एक्ट को पूरी गहनता से पढ़कर जनपद में उसे गंभीरता से लागू कराया जाए। इस संबंध में प्राप्त आवेदनों एवं प्रवेशित बच्चों की विस्तृत रिपोर्ट एक माह में उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा निर्धारित बिंदुओं को समिति के समक्ष प्रस्तुत करते हुए विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में मा0 सदस्य अंगद कुमार सिंह, मा0 सदस्य विजय बहादुर पाठक, मा0 सदस्य अविनाश सिंह चौहान, मा0 सदस्य विधान परिषद, शाहनवाज खान, जिलाधिकारी मनीष बंसल, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी, प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज डॉक्टर सुधीर राठी, रजिस्ट्रार एमएसयू वीरेंद्र कुमार मौर्य, अनु सचिव धनंजय सिंह, समीक्षा अधिकारी सौरभ दीक्षित, वृत्त लेखक, गजेन्द्र सिंह अपर निजी सचिव सहित कार्यदायी संस्था के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मेपल्स एकेडमी की प्रधानाचार्या डा.चित्रा जोशी को किया गया सम्मानित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद (सहारनपुर)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मेपल्स एकेडमी की प्रधानाचार्या डाक्टर चित्रा जोशी को सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सम्मेलन सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय सहारनपुर के सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें मेपल्स एकेडमी की प्रतिभावान प्रधानाचार्या डाक्टर चित्रा जोशी को राज्य मंत्री के.पी मलिक, विधायक देवेंद्र निम, विधायक मुकेश चौधरी, जिलाध्यक्ष महेन्द्र सिंह सैनी व कोमल आदि द्वारा प्रतीक चिह्न देकर व शॉल उढाकर सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में मेपल्स एकेडमी की प्रतिभावान प्रधानाचार्या डाक्टर चित्रा जोशी को शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट योगदान एवं सहभागिता के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान मिलने पर मेपल्स एकेडमी की प्रधानाचार्या डाक्टर चित्रा जोशी को मेपल्स एकेडमी परिवार की ओर से बधाई दी गई।

पंडित विशंभर सिंह की पुण्यतिथि पर मोक्षायतन योग संस्थान और नेशन बिल्डर्स एकेडमी ने वैदिक यज्ञ, पुष्पांजलि उनके जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को याद करके उनकी पुण्यतिथि मनाई

एक स्कूल मास्टर जिसके लिए राष्ट्रपति भी चलकर आए

गौरव सिंघल। सिटी चीफ
सहारनपुर, अमर स्वातंर्त्य योद्धा और आदर्श शिक्षक पंडित विशंभर सिंह की पुण्यतिथि पर आज मोक्षायतन योग संस्थान और नेशन बिल्डर्स एकेडमी ने वैदिक यज्ञ, पुष्पांजलि उनके जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को याद करके उनकी पुण्यतिथि मनाई। वह ऐसे शिक्षक थे जिनकी स्मृति में बने भव्य विश्वंभर सिंह द्वार और मार्ग का लोकार्पण करने के लिए दो वर्ष पूर्व देश के 14 वें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पत्नी सविता कोविंद के साथ स्वयं सहारनपुर आए थे। बिहार स्थित विशाल जलगोविंद मठ की महंताई ठुकराकर बेसिक स्कूल में अध्यापक रहते हुए आजादी की लड़ाई में सक्रिय होने वाले इस अनोखे सेनानी का मानना था कि किसी भी मूल्य पर देश को ब्रिटिश शासन से मुक्ति दिलाना ही हम लोगों का मकसद है गिरफ्तारी, गोली, फांसी और यातनाओं से बेखौफ होकर! उनका उद्देश्य जेल जाना नहीं मुल्क को आजाद कराने के लिए जीना और जरूरत पड़ने पर मरना भी था। वह कहते थे कि यदि केवल जेल जाना या फांसी खाना ही लक्ष्य होता तो लड़ाई चल ही नहीं सकती थी। वह कहते थे कि राष्ट पथ चलते हुए जो भी मिले यह भी सही वह भी सही। पंडित जी स्वातंर्त्य योद्धा और समाज सुधारक होने के साथ-साथ नगर के पहले शिक्षक थे जिनके निमंत्रण पर बेटे ओंकार सिंह शर्मा के मूक बधिर विद्यालय का उद्घाटन करने प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद सहारनपुर आए और जिन्हें सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन ने स्वयं अपने हाथों से राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से नवाजा था। देश आजाद होने के बाद उनकी आजादी पाने की लड़ाई आजादी की रक्षा की लड़ाई में बदल गई थी। शिक्षा, धर्म और देशप्रेम की त्रिवेणी पंडित विश्वंभर सिंह पर सभी को ऐसा यकीन था कि हाई कोर्ट तक मुकदमे लड़ने के बाद भी जटिल मुकदमों में लोग उनकी चौखट से न्याय पाते थे। आज स्मृति दिवस को संबोधित करते हुए पंडित जी के पुत्र और अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु पद्मश्री स्वामी भारत भूषण ने कहा कि हमने उनके जीवन से सीखा कि शिक्षक का कार्य बच्चों को मात्र अक्षर ज्ञान देना नहीं बल्कि अक्षरज्ञान (कभी न मिटने वाला सच्चा ज्ञान) और जीने का सलीका देकर सफल इंसान बनाना है, पंडित जी स्वयं में चलते फिरते विश्वविद्यालय थे। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने एक बार उन्हें पंडित विशंभर सिंह जी के साथ अपने बचपन के नाते की चर्चा करते हुए बताया था कि पंडित जी का लड़ाई लड़ने का ढंग निराला था, वह सक्रिय क्रांतिकारियों को संरक्षण देने और उनकी मदद करने में नहीं चूकते थे। एक रोचक संस्मरण सुनाते हुए चरण सिंह जी ने बताया की आजादी की लड़ाई के दौरान पंडित जी ने एक बार तो मुझे पुलिस से बचकर अपने घर में बुगचे में लुको (छिपा) लिया था और गारद को बैरंग ही वापस जाना पड़ा था। आजादी मिलने के बाद पंडित जी की पहल पर ही उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री बने डा संपूर्णानंद ने उत्तर प्रदेश में कक्षा 6 से 12 तक हिंदी के साथ अनिवार्य संस्कृत पढ़ने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। पंडित जी का जीवन शिक्षकों, छात्रों और समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत बना रहेगा। स्मृति दिवस कार्यक्रम में नंदकिशोर शर्मा, मिथलेश शर्मा, योगाचार्य अनीता शर्मा, सुरभि सेठी, मुकेश शर्मा, अजय सिंह, अमरनाथ, मोहित ढल्ला, राजीव आनंद, दीपक मौर्य आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 08 मार्च 2025 महिलाओं को सबल एवं आत्मनिर्भर बनाए जाने हेतु राज्य एवं केन्द्र सरकार दृढ़ संकल्पित है – लोकसभा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी

मध्यप्रदेश सरकार की लाडली बहना योजना महिलाओ के आर्थिक सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण है : राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया

साल के प्रत्येक दिवस को महिला दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

शौर्य शक्ति स्पर्धा का हुआ आयोजन

नर्मदापुरम 08 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज शासकीय एस.एन.जी. स्टेडियम मैदान में शौर्य शक्ति स्पर्धा कार्यक्रम का आयोजन प्रात: 9-00 बजे से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, नगरपालिका अध्यक्ष नर्मदापुरम श्रीमती नीतू यादव, श्रीमती अर्चना पुरोहित, विधायक प्रतिनिधि श्रीमती सीमा तिवारी उपस्थित रही। जिला प्रशासन से सुश्री कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम श्री सोजान सिंह रावत, सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम श्री ब्रजेंद सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम श्री ललित कुमार डेहरिया, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्रारंभ करने से पूर्व शक्ति रूपी नन्ही नन्ही बालिकाओं की कन्यापूजन भी की गई।

शौर्य शक्ति स्पर्धा अंतर्गत खेल प्रतिस्पर्धाओं का हुआ आयोजन- कार्यक्रम में महिला अधिकारियो/कर्मचारियो हेतु विभिन्न खेल प्रतियोगिताओ- महिला क्रिकेट मैच, रस्साकसी, कुर्सी दौड़ एवं चम्मच दौड जैसी खेल प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई। क्रिकेट मैच में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चैहान, की कप्तानी में टीम शक्ति एवं श्रीमती वंदना रघुवंशी की कप्तानी में टीम शौर्य के बीच मैच खेला गया। जिसमें टीम शौर्य विजेता रही एवं टीम शक्ति नें द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार रस्साकशी में टीम महिला एवं बाल विकास एवं टीम जिला प्रशासन के बीच मैच खेला गया। जिसमें टीम महिला एवं बाल विकास नें प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुर्सी दौड एवं चम्मच दौड में विभिन्न विभागों में पदस्थ महिला अधिकारी/कर्मचारियों ने सहभागिता दी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृशक्ति को नमन -लोकसभा सांसद कार्यक्रम में लोकसभा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी द्वारा समस्त उपस्थित महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा कि महिलाओं द्वारा कृषक, स्वसहायता समूह, बैंक सखी, शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रो में अपने बेहतर कार्यो का प्रदर्शन किया है। महिला सशक्तिकरण के माध्यम से महिलाओं को सबल एवं आत्मनिर्भर बनाए जाने हेतु राज्य एवं केन्द्र सरकार दृढ़ संकल्पित है।

शासन की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का ही परिणाम है कि हर क्षेत्र में महिलाएं अपना बेहतर प्रदर्शन कर रही- राज्यसभा सांसद कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया द्वारा समस्त उपस्थित महिलाओ को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि राज्य एवं केन्द्र सरकार महिलाओ के बेहतर भविष्य एवं सशक्तिकरण हेतु दृढ सकल्पिंत है। शासन की योजनाओ के बेहतर क्रियान्वयन का ही परिणाम है कि हर क्षेत्र में महिलाएं अपना बेहतर प्रदर्शन कर रही है। मध्यप्रदेश सरकार की लाडली बहना योजना महिलाओ के आर्थिक सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण है।

हम सभी साल में प्रत्येक दिवस महिला दिवस के रूप में मनाते हुए महिलाओं को सम्मान दें और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद रखें - कलेक्टर कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने अपने उद्बोधन के दौरान कहा कि हम सभी को यह प्रयास करना चाहिए कि महिलाओं को सम्मान देने एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को याद करने के लिए केवल एक महिला दिवस दिन ही सीमित न हो। अपितु महिलाओं तथा समाज एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को हर रोज याद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज के तौर पर यह हम सबकी जवाबदारी है कि साल के प्रत्येक दिन हम महिलाओं को सम्मान एवं समान अवसर दे, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराए जहां वे अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर सके और अपने आप को सिद्ध कर सकें। कलेक्टर सुश्री मीना ने कहा कि हमे हर एक दिवस महिला दिवस के रूप में मनाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि बात जब महिला सशक्तिकरण की होती है तब केवल महिलाओं को शिक्षित करना या उन्हें रोजगार जैसी अन्य गतिविधियों में अवसर प्रदान करने से ही सशक्तिकरण नहीं होगा बल्कि इसके लिए हमारे पुरुष समाज को भी संवेदनशीलता दिखाते हुए महिलाओं को समाज में परस्पर स्थान देना होगा। तभी हम एक संतुलित, सुरक्षित और संपन्न समाज का निर्माण कर सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय सेवा में होने के कारण महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बहुत ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां के साथ कार्य करना पड़ता है। इसी के साथ एक महिला मां होने की, बहन होने की, बेटी होने की तथा किसी की अर्धांगिनी होने की जिम्मेदारियां का भी ईमानदारी से निर्वहन करती है जोकि दुनिया की सभी जिम्मेदारियां से बढ़कर है। आज 8 मार्च को महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का यही उद्देश्य है कि आप सभी को एक अनौपचारिक वातावरण दिया जाए जहां आप सभी आज इस कार्यक्रम में आयोजित खेल गतिविधियों के मनोरंजक वातावरण का आनंद उठा सके।

लखपति दीदी की सफलता की कहानी कार्यक्रम में अजीविका मिशन के माध्यम से स्वसहायता समूहो से जुड़कर आत्मनिर्भर बनी श्रीमती पूजा चंद्रशेखर प्रजापति ग्राम रूपादेह एवं श्रीमती मालती प्रधान ग्राम पलासी शिवशक्ति स्वसहायता समूह द्वारा अपने अनुभव साझा किये गये।

विजेताओं को किया गया पुरूस्कार वितरण महिला क्रिकेट मैच में श्रीमती वंदना रघुवंशी की कप्तानी में टीम शौर्य विजेता रही एवं टीम शक्ति उपविजेता रही। रस्साकसी में टीम महिला एवं बाल विकास विजेता रही एवं टीम जिला प्रशासन उपविजेता रही। कुर्सी दौड़ में श्रीमती वैशाली मेहतो ने प्रथम, श्रीमती विजेता त्रिवेदी ने द्वितीय एवं श्रीमती वर्षा चैरे ने तृतीय एवं सुश्री मृगी अग्रवाल को सात्वंना पुरूस्कार दिया गया। चम्मच दौड़ में श्रीमती सीमा तिवारी, माध्यमिक शिक्षक ने प्रथम, श्रीमती रंजना गावड़े ने द्वितीय एवं श्रीमती चित्रा यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओ को ट्राफी एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन हेतु महिला अधिकारी/कर्मचारी का सम्मान श्रीमती परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम शहरी प्रीति यादव, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चैहान, श्रीमती अमृता दीक्षित प्लाटून कंमाडर श्रीमती आरती शर्मा, ब्लाक समन्वयक, श्रीमती अनुष्का मालवीय, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभिन्न विभागों- पुलिस, नगरपालिका, स्वास्थ्य, खेल, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, उद्योग, जिला पंचायत आदि में अपने पदीय दायित्वो के निर्वहन में सराहनीय कार्य करने वाली महिला अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मंच संचालन एवं खेल प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम ग्रामीण श्री प्रमोद गौर, विकासखंड समन्वयक श्रीमती आरती शर्मा, श्री अश्विनी मालवीय शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री ललित कुमार डेहरिया द्वारा किया गया।

उत्साह उमंग के साथ मनाया भगौरिया

खेतिया- होली दहन से एक सप्ताह पूर्व आयोजित होने वाला लोक संस्कृति पर्व भागोरिया अत्यधिक उत्साह से मनाया गया।खेतिया क्षेत्र की वर्षों पुरानी परंपरा अनुसार विभिन्न ग्रामो के पटेल करनपुरा के पटेल सिलदार पटेल की अगुवाई में राजसी वेशभूषा में शहर में पंक्तिबद्ध होकर निकले,शहर वासियों ने जगह जगह उनका स्वागत किया,यह परम्परा वर्षों से चली आ रही।पुलिस थाना परिसर में एकत्रित पटेलों को थाना प्रभारी सुरेंद्र कनेश ने श्रीफ़ल भेंट कर शुभकामनाएं दी। थाना परिसर में साइबर जागरूकता हेतु पोस्टर्स लगाए गए।ढोल मांदल व बाँसुरी की धुन ने लोक संस्कृति के पर्व पर सभी को मस्ती से झूमने पर मजबूर कर दिया।खेतिया से जुड़े कुछ ग्रामो से ढोल व मांदल यहाँ पहुंचे,शहर के नागरिक भी इस अवसर पर सभी से मिलकर बधाई देते रहे,गांधी चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सभी का स्वागत किया,क्षेत्र में परम्परा के पालन के साथ आधुनिकता भी दिखाई दी वही बड़ी संख्या में ग्रामीणो की उपस्थिति के साथ मांदल की थाप,बाँसुरी की धुन व कुर्राटी भरा लोकसंस्कृति पर्व आज उत्साह से शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ । कल रविवार दोपहर 2 बजे पानसेमल भगौरिया में मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी हिस्सा लेने आ रहे।क्षेत्र में होली के बाद होली मेलो का आयोजन होना है जहां करनपुरा की आखिरी होली के साथ क्षेत्र में समापन होगा। भगौरिया पर विशेष रूप से खाई जाने वाली गुड़ की जलेबी,गुड़ की सेव शहर में सुबह से ही बनती व बिकती रही।खिलौनों की दुकानों पर कम ही ग्राहकी रही वही परम्परा गत तीर कमान,सजावट सामग्री भी बिकती रही,,अन्य वर्षों की तुलना में अबकी बार भीड़ कम ही रही। लोक संस्कृति उत्सव भगौरिया एक परंपरा, लोक संस्कृति की पहचान,मस्ती में ढोल मांदल की थाप पर नाचते आनन्द उठाते, यह उत्सव केवल आनंद उमंग का उत्सव ही नही यह हमारी समृद्ध संस्कृति का दर्पण है,यह हमारी विरासत व अपनों से जुड़े रहने का माध्यम है

जगत की धूरी नारी का महिला दिवस पर सम्मान

कुक्षी- नारी शक्ति का मान सम्मान अनादि काल से होता रहा है और आज भी शक्ति के रूप नारी समाज में सम्मान प्राप्त करती है । उक्त विचार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पुलिस थाना कुक्षी में फ्रेंड्स क्लब व युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नारी सम्मान कार्यक्रम में थाना कुक्षी की महिला पुलिसकर्मियों उपनिरीक्षक श्रीमती उर्मिला रावत तथा आरक्षक सावित्री गाडरिया व किरण निंगवाल के समान के अवसर पर कुक्षी एसडीओपी सुनील कुमार गुप्ता ने व्यक्त किए । इस अवसर पर थाना प्रभारी राजेश कुमार यादव ने कहा कि महिला सदैव से घर, परिवार और समाज का अभिन्न अंग रही है । वरिष्ठ पत्रकार मनोहर मंडलोई ने कहा कि नारी के बिना संसार की कल्पना नहीं की जा सकती है । नगर सुरक्षा समिति के जिला संयोजक डॉ. निर्मल कुमार पाटीदार ने कहा कि नारी शक्ति के रूप में देवी और वही नारी सामाजिक जीवन में मां, बहन, बेटी व अर्द्धांगिनी के रूप में परिवार व समाज को सशक्त बनाने की भूमिका में स्वयं को प्रस्तुत करती है । महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में नरेश चौधरी , अनिल पारीख , एडवोकेट राजेन्द्र गुप्ता , प्रफुल जैन, सहदेव पाटीदार , लोकेश सरदार , हर्षित मुकाती, कुन्दन शर्मा, रवि कोदर पार्षद , भूपेन्द्र वर्मा , जगदीशचंद्र गुप्ता , रवि जैन , राकेश गुप्ता (कृष्णा) आदि मौजूद रहे ।

मुख्यमंत्री ने जिले की 2 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में अंतरित की 25 करोड़ से अधिक की राशि

नरसिंहपुर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नरसिंहपुर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों व स्वयं सेवकों को किया सम्मानित

अंतर्राष्ट्रीयदुमहिलाट्टदिवस 8 मार्च को जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया के मुख्य आतिथ्य व कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन के साथ किया गया। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ कार्यक्रमों व गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित किये गये, इसका समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले की 2 लाख 9 हजार 773 लाड़ली बहनों के बैंक खाते में 25 करोड़ 49 लाख 51 हजार 450 रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला स्तर पर भी देखा व सुना गया। कलेक्टर श्रीमती पटले ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनायें देते हुए कहा कि केवल एक दिन महिलाओं को समर्पित नहीं किया जा सकता। हर महिला और पुरूष एक समान है। प्रकृति ने अपनी रचना में सभी को अपने तरीके से बनाया है, परंतु किसी से श्रेष्ठ होने का विचार मनुष्य की देन है। हम अपनी सोच के हिसाब से किसी को कम किसी को अधिक आंकते हैं। महिलाओं की समानता, जिम्मेदारी, कर्त्तव्य और दायित्व पर निर्भर है। कुछ पुरूषों ने महिलाओं को उचित दर्जा प्रारंभ कर दिया है। जब एक पुरूष परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी के साथ- साथ अन्य जिम्मेदारियों को निभाना प्रारंभ करता है, तभी महिलाओं को उचित सम्मान मिलना प्रारंभ होता है। यदि कोई पुरूष समाज में या अपने कार्यक्षेत्र में सफल है, तो उसकी सफलता का श्रेय उस पुरूष को सर्पोट करने वाली महिलाओं को भी मिलता है। एक पुरूष अपने कार्य क्षेत्र में अधिक समय इसी लिए दे पाता है, क्योंकि उसे भोजन, घर, बच्चे की जिम्मेदारियों की उतनी अधिक चिंता नहीं करनी पड़ती है, जो एक महिला को करनी पड़ती है। एक महिला को अपने कार्यक्षेत्र में पहुंचने के पूर्व घर के सदस्यों के भोजन तथा घरेलू आवश्यकताओं की व्यवस्था करनी पड़ती है। नारियों का संघर्ष घर और कार्यक्षेत्र दोनों में जारी रहता है। यह संघर्ष तभी समाप्त होगा जब महिलायें स्वयं जागरूक होंगी। हर घर में समानता होगी तभी समाज में समानता आएगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दलीप सिंह ने कहा कि महिलाओं ने अपनी भूमिका में काफी संघर्ष किया है। वह प्रेरणा स्त्रोत रही है और अब आगे सुनहरे भविष्य के लिये प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि समानता समाज में लाई जाती है और सशक्तिकरण आपके विचारों में होता है। सशक्तिकरण दिमागी पहलू है। मातृशक्ति को अपनी सोच में बदलाव करने की आवश्यकता है। यही समानता एवं सशक्तिकरण के विचार अगली पीढ़ी में बोना है। अध्यक्ष स्थानीय परिवाद समिति श्रीमती संध्या कोठारी ने जिले में पदस्थ महिला अधिकारियों सहित देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपद्री मुर्मू सहित अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रही महिलाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज में महिलाओं की सशक्त भूमिका के अनेक उदाहरण है। समाज में संतुलन के लिए आवश्यक है कि एक सशक्त महिला कम से कम 5 महिलाओं को जागृत एवं सशक्त बनाने के लिए सहयोग करें। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती काकोड़िया, कलेक्टर श्रीमती पटले व अन्य अतिथियों ने बाल विवाह रोकथाम के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले, वन स्टॉप सेंटर नरसिंहपुर और बाल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवायें प्रदान करने वाले और शौर्यादल सदस्यों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा शौर्यादल को परेड में सम्मिलित होने के लिए भी सम्मानित किया। अतिथियों ने बाल विवाह रोकथाम के कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों में पर्यवेक्षक, श्रीमती ज्योति कटारे, श्रीमती उमा पांडे, श्री रश्मि विश्वकर्मा, श्रीमती मंजू ठाकुर व श्रीमती अभिलाषा शर्मा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राजदा अंजुम, श्रीमती बड़ी बाई ठाकुर व हरिबाई विश्वकर्मा को, वन स्टॉप सेंटर नरसिंहपुर में उत्कृष्ट सेवायें प्रदान करने के लिए श्रीमती अंजिता श्रीवास्तव व यास्मीन खान, बाल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं समर्पण से सेवायें प्रदान करने के लिए बाल संरक्षण अधिकारी श्री सौनिध्य सराठे, सामाजिक कार्यकर्ता श्री प्रवीण डेहरिया, सहायक सह आं.प्र.प्रचा. श्री विजय कुर्मी, आ. वर्कर श्री अंकुर नेमा एवं कु. माधुरी जाटव को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्रीमती निशा सोनी, सदस्य स्थानीय परिवाद समिति श्रीमती गुलाब गुप्ता, सदस्य किशोर न्याय बोर्ड श्री रमाकांत दीक्षित, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति श्री शिवकुमार रैकवार, बाल कल्याण समिति के सदस्य श्री महेश नेमा, श्री राजेन्द्र राजपूत, श्रीमती दिव्या नेमा, श्रीमती प्रिया चौहान, शौर्यादल सदस्य, लाड़ली बहना, विभागीय अधिकारी- कर्मचारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकताएं सहायिकाएं मौजूद थी। कार्यक्रम का संयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी मबावि नरसिंहपुर श्रीमती मोहिनी जाधव के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री सौनिध्य सराठे एवं आभार प्रदर्शन सहायक संचालक श्री राधेश्याम वर्मा ने किया।

नाबालिक के द्वारा अपने अपहरण कर फिरोती मांगने की मनगढंत कहानी का,बेटमा पुलिस ने किया

बेटमा- दिनांक 06/3/25 को फरियादी लक्ष्मीसिंह भदौरिया पति आम्णुसिंह भदौरिया जाति राजपूत उम्र 36 साल निवासी स्थायी पता ग्राम नरेनी थाना किशनपुर जिला फतेहपुर हाल निवासी फ्लेट नंबर 303 आशियाना पैलेस धर्मकुंज कालोनी ग्राम काली बिल्लौद थाना बेटमा जिला इन्दौर के द्वारा अपने नाबालिक बालक आयुष सिंह पिता आशुसिंह भदौरिया जाति राजपूत उम्र 16 साल 06 कि अपहरण कि रिपोर्ट थाना बेटमा पर दर्ज कराई जिस पर थाना बेटमा में अपराध क्रमांक 102/25 धारा 137 (2) .एन.एस.-2023 का अपराध अज्ञात आरोपीयो के विरुद्द पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था फरियादीया के द्वारा बताया गया की मेरे लडके आयुशसिह मेरा मोबाईल लेकर गया था तथा मेरे पति के फोन पर मेरे लडके को छोडने के एवज मे पचास लाख रुपये की फिरोती मांगी जा रही है, प्रकरण अति गंभीर एवं सनसनी खेज होने से बेटमा पुलिस द्वारा त्वरीत कार्यवाही कर विवेचना कार्य प्रारंभ किया गया। शपुलिस अधीक्षक इन्दौर ग्रामीण श्रीमती हितिका वासल के निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (महु) रुपेश द्विवेदी के मार्गदर्शन मे एस.डी.ओ.पी देपालपुर संघ प्रिय सम्राट द्वारा घटना के सबंध मे एवं अज्ञात आरोपियो की तलाश पतारसी हेतु थाना प्रभारी बेटमा मीणा कर्णावत को निर्देशित किया गया थाना प्रभारी बेटमा द्वारा घटना के सबंध मे एवं अज्ञात आरोपियो कि तलाश पतारसी हेतु अलग अलग टीम का गठन कर घटना स्थल धर्मकुंज कालोनी व घटना स्थल के आसपास के क्षेत्र, सहित सी सी टी वी कैमरो को चैक किया गया एवं मुखबिर सूचना तत्र को संक्रिय कर कार्य हेतु लगाया गया एवं घटना स्थल के आसपास के लोगो से पुछताछ की गई विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यो के आधार पर नाबालिक बालक को दस्तयाब किया गया जिसके द्वारा बताया गया की मेरी माँ मुझे बात बात पर डाटती रहती थी इस कारण मे घर से मेरी माँ का मोबाईल व सायकल लेकर पीथमपुर बस स्टेण्ड चला गया वहा से बस से इन्दौर होते हुवे भोपाल चला गया था मेने डराने के लिये अपने मोबाईल से मेरे पिता को पचास लाख रुपये की फिरोती व किडनेपिंग का मेसेज किया था। फरियादी द्वारा बताई गई घटना प्रमाणित होना नही पाई गई। नाबालिक बालक की इस सनसनी खेज एवं जघन्य अपहरण की घटना से थाना क्षेत्र में सनसनी फेलकर डर का महोल निर्मीत हो गया था। पुलिस थाना बेटमा द्वारा कठिन मेहनत एवं अथक प्रयास कर नाबालिक बालक के अपहरण व फिरोती की इस झूठी कहानी का चंद घंटो में खुलासा कर थाना क्षेत्र में शांति पूर्ण एवं सुरक्षा का वातावरण निर्मीत कर घटना का खुलासा किया गया। उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी बेटमा मीना कर्णावत, उनि. संदीप पोरवाल, उ.नि.कमलेन्द्र दीक्षित, सउनि रामप्रसाद सोलंकी, प्र.आर. 543 कल्लू राठोर, प्र.आर.2073 दिपेन्द्र जाट, व अनुभाग के थाना गोतमपुरा व थाना देपालपुर के थाना प्रभारियो की मुख्य भुमिका रही है। पुलिस थाना बेटमा की उक्त टीम को इस सराहनीय कार्य के लिये उत्साहवर्धन हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा नगद इनाम से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

क्या है हंता वायरस और कैसे फैलता है संक्रमण? जिसने ली ऑस्कर पुरस्कार विजेता एक्टर जीन हैकमैन की पत्नी की जान

वाशिंगटन: ऑस्कर पुरस्कार विजेता अभिनेता जीन हैकमैन की पत्नी बेट्सी अराकावा की हंता वायरस संक्रमण से हाल ही में मौत हुई थी। न्यू मैक्सिको के अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। पूरी दुनिया में पाया जाने वाला हंता वायरस रोडेन्ट (चूहे की प्रजाति) के मल या मूत्र के संपर्क में आने से फैलता है। इसका कोई विशिष्ट उपचार नहीं है लेकिन समय पर चिकित्सा सहायता से बचने की संभावना बढ़ सकती है। यह संक्रमण तेजी से बढ़ता है और जानलेवा हो सकता है।

डलास में यूटी साउथवेस्टर्न मेडिकल सेंटर में काम करने वाली डॉ. सोनजा बार्टोलोम ने कहा, यह वास्तव में फ्लू की तरह शुरू होता है, जिसमें पहले शरीर में दर्द होता है और कुल मिलाकर आपको अछा सा महसूस नहीं होता। बीमारी की शुरुआत में, आप वास्तव में हंता वायरस और फ्लू के बीच अंतर नहीं बता पाएंगे। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्रों के अनुसार, यह वायरस गंभीर और कभी-कभी जानलेवा फेफड़ों के संक्रमण का कारण बन सकता है, जिसे 'हंतावायरस पल्मोनरी सिंड्रोम कहा जाता है। अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्रों ने 1993 में फोर कॉर्नर क्षेत्र में इस संक्रमण के प्रकोप के बाद इस वायरस पर नजर रखना शुरू किया था। फोर कॉर्नर क्षेत्र में एरिजोना, कोलोराडो, न्यू मैक्सिको और यूटा आते हैं। वर्षों से इस बीमारी का अध्ययन कर रहीं और रोगियों की मदद में जुटीं न्यू मैक्सिको स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र की पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. मिशेल हार्किंस ने कहा, यह भारतीय स्वास्थ्य सेवा के एक विद्वान चिकित्सक थे, जिन्होंने पहली बार इंसानों की मौतों के पैटर्न को देखा। उन्होंने कहा, वे स्वस्थ थे, उन्हें कोई चिकित्सा समस्या नहीं थी और वे दिल का दौरा पड़ने की समस्या से अस्पतालों में आ रहे थे। हार्किंस ने कहा, इस वजह से सीडीसी की भागीदारी को बढ़ावा मिला क्योंकि विशेषज्ञ यह पता लगाने के लिए काम कर रहे थे कि रोगियों में क्या समानता थी। सीडीसी के अनुसार, संक्रमण के एक से आठ सप्ताह बाद लक्षण दिखाई देने लगते हैं और शुरुआत में थकान, बुखार और मांसपेशियों में दर्द शामिल हो सकते हैं। सीडीसी ने बताया कि जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, लक्षणों में खांसी, सांस लेने में तकलीफ और फेफड़ों में पानी भरने के कारण सीने में जकड़न जैसी परेशानियां हो सकती है। सीडीसी के मुताबिक, बीमारी से श्वसन संबंधी लक्षण विकसित होने वाले लगभग एक तिहाई लोगों की मौत हो सकती है। सीडीसी ने बताया कि रोगाणु से बचने का सबसे अछा तरीका रोडेन्ट और उनके मल के संपर्क को कम करना है। इसके मुताबिक, रोडेन्ट के मल को साफ करने के लिए सुरक्षात्मक दस्ताने और ब्लीच के घोल का उपयोग करें। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ झाड़ू लगाने या वैक्यूम करने से सावधान करते हैं क्योंकि इससे वायरस हवा में फैल सकता है।

इस देश की यात्रा न करें... अमेरिका ने पाकिस्तान को लेकर जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका ने आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष की आशंका के कारण भारत-पाकिस्तान सीमा और नियंत्रण रेखा के आसपास के क्षेत्रों तथा बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों की यात्रा न करने की चेतावनी देते हुए एक एडवाइजरी जारी की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को यात्रा संबंधी एडवाइजरी जारी की।

एडवाइजरी में कहा गया है कि इन क्षेत्रों में आतंकी गतिविधियां और सशस्त्र संघर्ष हो सकते हैं, इसलिए लोगों को पाकिस्तान की यात्रा पर पुनर्विचार करना चाहिए। एडवाइजरी में अमेरिकियों से आतंकवाद के कारण बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा की यात्रा न करने को भी कहा गया है।

अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि हिंसक चरमपंथी समूह पाकिस्तान में हमलों की साजिश रचते रहते हैं। बलूचिस्तान प्रांत और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादी हमले अक्सर होते रहते हैं, जिसमें पूर्व FATA भी शामिल है। बड़े पैमाने पर आतंकवादी हमलों में कई लोग हताहत हुए हैं और छोटे पैमाने पर हमले अक्सर होते रहते हैं।

इसमें यह भी कहा गया है कि आतंकवाद और चरमपंथी तत्वों द्वारा जारी हिंसा के कारण नागरिकों के साथ-साथ स्थानीय सैन्य और पुलिस ठिकानों पर अंधाधुंध हमले हुए हैं। आतंकवादी बिना किसी चेतावनी के हमला कर सकते हैं। वे परिवहन केंद्रों, बाजारों, शॉपिंग मॉल, सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों, पूजा स्थलों और सरकारी सुविधाओं को निशाना बना सकते हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि पाकिस्तान का सुरक्षा वातावरण अस्थिर बना हुआ है, कभी-कभी बिना किसी सूचना के या बिना किसी सूचना के बदल जाता है। इसमें कहा गया है कि देश के प्रमुख शहरों, विशेष रूप से इस्लामाबाद में अधिक सुरक्षा संसाधन और बुनियादी ढांचा है, इन क्षेत्रों में सुरक्षा बल देश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में किसी आपात स्थिति का अधिक तत्परता से जवाब देने में सक्षम हो सकते हैं। ऐसे में नियंत्रण रेखा के आस-पास यात्रा न करें।

एडवाइजरी में कहा गया है कि अमेरिकी नागरिक किसी भी कारण से नियंत्रण रेखा के साथ-साथ भारत-पाकिस्तान सीमा की यात्रा न करें। इस क्षेत्र में आतंकवादी समूहों के सक्रिय होने के बारे में जाना जाता है। सीमाई क्षेत्र में भारत और पाकिस्तान अपनी-अपनी सीमा पर मजबूत सैन्य उपस्थिति बनाए रखते हैं।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, 25 लोगों की मौत, मरने वालों में बच्चे भी शामिल

इंटरनेशनल डेस्क: रूस ने यूक्रेन पर एक बार फिर से जबरदस्त हवाई हमले किए हैं, जिनमें 25 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हो गई है। यूक्रेनी आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को यूक्रेन के पूर्वी शहर डोब्रोपिलिया और खार्किव क्षेत्र में हुए रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इन हमलों में कम से कम 25 लोगों की जान चली गई, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा, इन हमलों में 37 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

डोनेट्स्क क्षेत्र में भी इस हमले का भारी असर पड़ा है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, डोनेट्स्क में हुए एक और हमले में कम से कम 11 लोग मारे गए और छह बच्चों सहित 40 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा, खार्किव, ओडेसा और अन्य क्षेत्रों में भी घरों और बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान हुआ है। मंत्रालय ने बताया कि रूस ने बैलिस्टिक मिसाइलों, कई रॉकेटों और ड्रोन के जरिए डोब्रोपिलिया पर हमला किया, जिससे आठ बहुमंजिला इमारतों और 30 से अधिक वाहनों को नुकसान हुआ।

यूक्रेनी अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि खार्किव क्षेत्र पर एक अलग ड्रोन हमले में तीन नागरिकों की मौत हुई और सात अन्य लोग घायल हो गए। इन हमलों से यूक्रेन में नागरिकों की सुरक्षा और बुनियादी ढांचों पर भारी दबाव बढ़ गया है, और देश के विभिन्न हिस्सों में स्थितियों को सामान्य करने में कठिनाई हो रही है।

इस दौरान, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इन हमलों की कड़ी निंदा की है और कहा कि रूस का यह हमला पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी है कि यह युद्ध केवल एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए भी खतरे की घंटी है। यूक्रेनी अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे रूस के आक्रमण का मुकाबला करने में यूक्रेन की मदद करें, ताकि नागरिकों को बचाया जा सके और रूस के हमलों का प्रभाव कम किया जा सके।

सीरिया में बगावत: असद समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसा में 1000 से अधिक लोगों की गई जान

सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के वफादारों और सुरक्षा बलों के बीच दो दिन तक जारी संघर्ष और उसके बाद प्रतिशोधी हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,000 से अधिक हो गई है, जिनमें लगभग 750 आम नागरिक शामिल हैं। मानवाधिकार संगठन ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीरिया में 14 साल पहले शुरू हुए संघर्ष के बाद से यह हिंसा की सबसे घातक घटनाओं में से एक है। ब्रिटेन के मानवाधिकार संगठन 'सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स% ने कहा कि 745 नागरिकों के अलावा, सरकारी सुरक्षा बलों के 125 सदस्य और अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद से संबद्ध सशस्त्र समूहों के 148 चरमपंथी भी मारे गए। मानवाधिकार संगठन ने यह भी बताया कि तटीय शहर लताकिया के आसपास के बड़े इलाकों में बिजली और पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है तथा कई बेकरी बंद हो गई हैं। सीरिया में तीन महीने पहले असद को अपदस्थ करके सत्ता पर विद्रोहियों के कब्जा करने के तीन महीने बाद बृहस्पतिवार को शुरू हुई यह झड़प दमिश्क की नयी सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरी है। सरकार ने कहा कि वे असद के समर्थकों द्वारा किए गए हमलों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने बड़े पैमाने पर हुई इस हिंसा के लिए ''अलग-अलग

व्यक्तियों द्वारा की गई कार्रवाइयों को जिम्मेदार ठहराया। सीरिया में हालिया झड़पें तब शुरू हुईं, जब सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को तटीय शहर जबलेह के पास एक वांछित व्यक्ति को हिरासत में लेने की कोशिश की। इस दौरान असद के वफादारों ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया। सीरिया की नयी सरकार के प्रति वफादार सुन्नी मुस्लिम बंदूकधारियों ने शुक्रवार को असद के अल्पसंख्यक अलावी समुदाय के लोगों की हत्याएं शुरू की थीं, जिसके बाद से दोनों के बीच झड़पें जारी हैं। लेकिन यह हयात तहरीर अल-शाम के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि इसी धड़े के नेतृत्व में विद्रोही समूहों ने असद के शासन का तख्तापलट कर दिया था। अलावी गांवों और कस्बों के निवासियों ने समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस% को बताया कि बंदूकधारियों ने अलावी समुदाय के अधिकांश पुरुषों को सड़कों पर या उनके घरों के दरवाजे पर ही गोली मारी। हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित कस्बों में से एक बनियास के निवासियों ने कहा कि शव सड़कों पर बिखरे पड़े थे या घरों और इमारतों की छतों पर पड़े थे और उन्हें उठाकर दफनाने के लिए कोई नहीं था।

महिला की मीठी-मीठी बातों में फंसा युवक, बार-बार फोन कर उड़ा ले गई लाखों रुपए...अब हुआ सच्चाई का पर्दाफाश

नेशनल डेस्क. उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में ठगी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। जहां जिले के एक व्यापारी को महिला ने मीठे-मीठे झांसे में फंसा कर 42 लाख रुपए की ठगी कर ली। महिला ने पहले व्यापारी को क्रिप्टो करेंसी में पैसे लगाने का भरोसा दिलाया और फिर उसे मुनाफे का झांसा देते हुए कई बार पैसे ट्रांसफर करवा लिए। जब व्यापारी ने मुनाफा निकालने के लिए बैंक में जाकर पैसे चेक किए, तो उसे पता चला कि वह ठगी का शिकार हो चुका है। अब व्यापारी ने महिला के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आगरा के कमला नगर के एक व्यापारी के पास एक दिन महिला का वॉट्सएप मेसेज आया, जिसमें महिला ने खुद को फैशन डिजाइनर बताया। महिला ने व्यापारी से कहा कि वह क्रिप्टो करेंसी में 25 हजार रुपए लगवाए, और इसके बाद उसने व्यापारी को

मुनाफा भी दिया। महिला के मुनाफे से व्यापारी को भरोसा हो गया। फिर महिला ने व्यापारी को बताया कि वह यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) खरीदने पर उसे बड़ा मुनाफा दे सकती है। व्यापारी ने महिला के कहने पर लगभग 42 लाख रुपए अलग-अलग तारीखों में ट्रांसफर कर दिए। महिला ने उसे मुनाफे की रकम बैंक अकाउंट में भेजने का वादा किया, लेकिन जब व्यापारी ने बैंक जाकर मुनाफा निकालने की कोशिश की, तो उसे पता चला कि महिला ने उससे ठगी कर ली है। बताया जा रहा है कि व्यापारी ने महिला से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन महिला ने अपना फोन बंद कर दिया। इसके बाद व्यापारी ने साइबर क्राइम में मामले की शिकायत दर्ज करवाई। व्यापारी ने आरोप लगाया कि महिला ने लगभग 42 लाख रुपए की ठगी की है। आगरा पुलिस के एसीपी साइबर क्राइम, आदित्य कुमार ने बताया कि ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महाभियोग के बावजूद दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति जेल से रिहा, समर्थकों ने किया स्वागत

इंटरनेशनल डेस्क: दक्षिण कोरिया में महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक येओल को शनिवार को जेल से रिहा कर दिया गया। इससे एक दिन पहले, देश की एक अदालत ने राष्ट्रपति येओल की गिरफ्तारी को रद्द करते हुए उन्हें जेल से रिहा करने का आदेश दिया था ताकि वह जेल से बाहर होकर मुकदमें का सामना करें । टीवी चैनल पर प्रसारित हो रही वीडियो में राष्ट्रपति जेल से बाहर आने के बाद अपने समर्थकों के सामने हाथ हिलाकर और अपना सिर

झुकाकर उनका अभिवादन करते नजर आ रहे हैं। येओल के समर्थक उनका नाम ले रहे हैं और दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका का राष्ट्रीय झंडा लहरा रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं 'सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट द्वारा अवैध को सही करने के साहस के निर्णय की सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि वह अपने समर्थकों का धन्यवाद करते हैं तथा उन लोगों से आग्राह करते हैं कि वह अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दें। राष्ट्रपति येओल के खिलाफ महाभियोग चलने के बाद उनके कुछ समर्थक भूख हड़ताल कर रहे हैं। यून को तीन दिसंबर को 'मार्शल लॉ लगाने के अपने आदेश के सिलसिले में, विद्रोह भड़काने के आरोप में जनवरी में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद देश में उथल-पुथल मच गई थी। मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने यून के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए मतदान किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें पद से निलंबित कर दिया गया था।

यून के राष्ट्रपति पद को औपचारिक रूप से समाप्त किया जाए या उसे बहाल किया जाए, इसका फैसला संवैधानिक न्यायालय करेगा। अगर संवैधानिक न्यायालय यून के महाभियोग को बरकरार रखता है, तो उन्हें आधिकारिक रूप से पद से हटा दिया जाएगा और दो महीने के भीतर उनके उत्तराधिकारी को चुनने के लिए राष्ट्रीय चुनाव आयोजित किए जाएंगे। 'सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने शुक्रवार को यून के मामले की जांच की वैधता से जुड़े सवालों को हल करने की आवश्यकता का हवाला देते हुए जेल से रिहा करने के राष्ट्रपति के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। यून के वकीलों ने जांच एजेंसी पर आरोप लगाया कि उसके पास विद्रोह के आरोपों की जांच करने का कानूनी अधिकार नहीं है। जांच एजेंसी ने औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने से से पहले यून को हिरासत में लिया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569